मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, सोमवार, 21 सितंबर 2026
संवत 2083, भाद्रपद शुक्ल 10 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-10, अंक 17 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ पैसा नहीं, भरोसा है यूपीआई की सबसे बड़ी पूंजी

एशियाई खेल: सुचिका तारियाल ने रचा इतिहास, महिला एमएमए में जीता कांस्य ◀◀ 6

डीजीपी नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई कल

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची/नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट में डीजीपी नियुक्ति के मामले में 22 सितंबर को सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची और न्यायाधीश वी मोहना की पीठ में याचिका की सुनवाई होगी।

सुप्रीम कोर्ट में डीजीपी नियुक्ति पर सुनवाई के मामले में झारखंड का संबंध नियुक्ति नियमावली से है। राज्य सरकार द्वारा बनायी गयी डीजीपी नियुक्ति नियमावली की वैधता को बाबूलाल मरांडी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को हाईकोर्ट से अपने पास मंगा लिया है।

नियुक्ति नियमावली के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के आलोक में एमिकस क्यूरी ने अपनी राय दे दी है। उन्होंने नियमावली की दो धाराओं को सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश के खिलाफ बताया है। इस मामले में अब राज्य सरकार को अपना पक्ष पेश करना है।

सुप्रीम कोर्ट ने चार सप्ताह के अंदर 437 को पुलिस नियुक्ति पत्र देने का दिया आदेश

रांची : सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को पुलिस नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर चार सप्ताह के अंदर नियुक्ति पत्र देने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश संजय करोल और न्यायाधीश एजी मसीह ने जीतेंद्र शर्मा बनाम राज्य सरकार के मामले में सुनवाई के बाद यह आदेश दिया।
न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि कोर्ट को यह सूचित किया गया है कि तीन जून 2026 को दिये गये निर्देश के आलोक में 437 उम्मीदवारों के स्वास्थ्य की जांच की गयी। न्यायालय का यह मानना है कि इन सभी उम्मीदवारों को जांच में सफल घोषित किया जाना चाहिए। न्यायालय ने सभी उम्मीदवारों को अपने दस्तावेज के सत्यापन की प्रक्रिया को पूरा करने का निर्देश दिया है।

दिल्ली हाई कोर्ट को मिले 7 नए जज कुल संख्या हुई 50

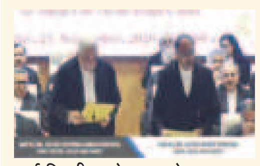

नई दिल्ली : सोमवार को सात न्यायिक अधिकारियों ने दिल्ली हाई कोर्ट के जज के तौर पर शपथ ली, जिससे कोर्ट में जजों की कुल संख्या 50 हो गई। चीफ जस्टिस डी के उपाध्याय ने जस्टिस निवेदिता अनिल शर्मा, निशा सहाय सक्सेना, संजय शर्मा, भरत पाराशर, अदिति चौधरी, दिनेश भट्ट और अरुण भारद्वाज को शपथ दिलाई। ये सभी पहले यहां जिला न्यायपालिका में न्यायिक अधिकारी के तौर पर काम कर रहे थे। शपथ ग्रहण समारोह हाई कोर्ट परिसर में हुआ और शपथ दिलाने के बाद चीफ जस्टिस ने नए जजों को बधाई दी। जस्टिस शर्मा और सक्सेना ने अंग्रेजी में शपथ ली, जबकि बाकी पांच ने हिंदी में शपथ ली। उन्हें हाई कोर्ट का अतिरिक्त जज नियुक्त किया गया है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बाद केंद्र सरकार ने 19 सितंबर को इन सात नई नियुक्तियों की अधिसूचना जारी की थी। हाई कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 60 है और इन सात नई नियुक्तियों के साथ, मौजूदा संख्या बढ़कर 50 हो गई है।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान के मंत्री की चेतावनी

1000 रुपये प्रति लीटर तक बिकेगा पेट्रोल

एजेंसी

इस्लामाबाद : पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमतों को लेकर सरकार ने बड़ी चेतावनी दी है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने कहा है कि अगर देश में ईंधन की कमी पैदा होती है तो पेट्रोल की कीमत 1,000 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच सकती है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और वैश्विक तेल बाजार में जारी उथल-पुथल के बीच पाकिस्तान में ईंधन संकट की आशंका बढ़ गई है।

लाहौर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मलिक ने कहा कि पाकिस्तान में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में पहले ही करीब 50 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। यूरोप और अमेरिका में भी ईंधन की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बढ़ती कीमतों का असर कम करने के लिए समाज के कमजोर वर्गों को राहत देने के उपाय कर रही है।

पेट्रोलियम मंत्री ने बताया कि देश में तेल के कुओं पर काम शुरू कर दिया गया है। सरकार को उम्मीद है कि अक्टूबर तक घरेलू स्तर पर कच्चे तेल की उपलब्धता बढ़ सकती है। इससे महंगे आयात पर पाकिस्तान की निर्भरता कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

पाकिस्तान में 19 सितंबर से पेट्रोल की कीमत 389.14 रुपये प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 424.04 रुपये प्रति लीटर है। सरकार ने हालिया संशोधन में पेट्रोल के दाम 1.65 रुपये और डीजल के दाम 0.88 रूपये प्रति लीटर घटाए थे, लेकिन दोनों की कीमतें अब भी बेहद ऊंचे स्तर पर हैं।

बढ़ती कीमतों के असर को कम करने के लिए पाकिस्तान सरकार ने छोटे वाहन मालिकों के लिए राहत योजना शुरू की है। इसके तहत मोटरसाइकिल, रिक्शा, चिंगची और 800 सीसी तक की गाड़ियों के पात्र उपयोगकताओं को पेट्रोल पर 100 रुपये प्रति लीटर तक की सब्सिडी देने की व्यवस्था की गई है।

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष और तेल की आपूर्ति पर असर के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। होर्मुज जलडमरूमध्य और अन्य प्रमुख समुद्री मार्गों से तेल की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका ने पाकिस्तान जैसे आयात पर निर्भर देशों की चिंता बढ़ा दी है। पाकिस्तान सरकार ने ईंधन की खपत कम करने के लिए सरकारी वाहनों के ईंधन आवंटन में कटौती समेत कई मितव्ययिता उपाय भी लागू किए हैं।

केरल में आसमानी आफत : मलप्पुरम में अचानक आई बाढ़ और इडुक्की में भूस्खलन, 7 लोगों की दर्दनाक मौत

एजेंसी

मलप्पुरम: केरल में मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। मलप्पुरम जिले के निलंबूर क्षेत्र में अचानक आई भीषण बाढ़ और इडुक्की में हुए भूस्खलन की अलग-अलग घटनाओं में अब तक कुल 7 लोगों की मौत हो चुकी है। मलप्पुरम में बाढ़ के तेज बहाव में बहे 6 लोगों में से 5 के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक लापता महिला की तलाश में बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नदी में अचानक उफान से बहे 6 लोग, एनडीआरएफ का सर्च ऑपरेशन जारीः पहाड़ी इलाकों में रविवार शाम हुई भारी बारिश के बाद करीब साढ़े चार बजे चोक्कड़ नदी का जलस्तर अचानक विकराल रूप से बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लोग बह गए थे। राजस्व मंत्री एपी अनिल कुमार ने बताया कि रविवार रात दो शव बरामद किए गए थे, वहीं सोमवार सुबह राहत टीमों ने तीन और शव बाहर निकाले। राज्य सरकार के निर्देश पर एनडीआरएफ, फायर एंड रेस्क्यू सर्विस और स्थानीय बचाव दल नदी के बहाव क्षेत्र में लापता महिला की तलाश में जुटे हुए हैं। स्थानीय विधायक आर्यदान शौकत ने भी मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों का जायजा लिया।

इडुक्की में भूस्खलन की चपेट में आया मकान, भाई-बहन की मौतः दूसरी तरफ, इडुक्की के वट्टावाड़ा क्षेत्र स्थित कोट्टक्कम्बुर में लगातार बारिश के चलते भयानक लैंडस्लाइड हुआ। पहाड़ी का मलबा सीधे एक घर पर आ गिरा, जिसके नीचे दबने से बालकृष्णन और उनकी बहन चिन्नू की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में बालकृष्णन की पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें ग्रामीणों ने मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। स्थानीय प्रशासन यह भी जांच कर रहा है कि कहीं हादसे के दौरान बिजली का करंट लगने से मौत तो नहीं हुई।

अगले 4 दिन भारी बारिश की चेतावनी, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्टः मौसम विभाग ने केरल में 24 सितंबर तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। लगातार बिगड़ते मौसम को देखते हुए कोट्टायम और इडुक्की जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। इसके साथ ही तिरुवनंतपुरम, पथानामथिट्टा, एनार्कुलम, वायनाड और कन्नूर जिलों में येलो अलर्ट जारी करते हुए नदी किनारे और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों को अत्यधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

बांग्लादेश में सिलेंडर फटने से छह की मौत, 20 झुलसे

ढाका : बांग्लादेश की राजधानी ढाका उप नगरीय क्षेत्र अशुलिया के जमगोरा इंडस्ट्रियल इलाके में रविवार शाम कवर्ड वैन में एलपीजी सिलेंडर फटने से छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 लोग घायल हो गए। धमाके इतनी तेज हुए कि एक सिलेंडर तो करीब 200 गज दूर जा गिरा, जिससे सड़क किनारे एक दुकान के अंदर मौजूद महिला की मौत हो गई। इन धमाकों से एक गारमेंट फैक्टरी आग की लपटों से घिर गई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, धमाकों के कारण लगी आग ने शाम करीब 6:45 बजे जमगोरा में मौजूद पांच -छह गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। अशुलिया पुलिस ने रविवार देररात बताया कि आग बुझाने के बाद आसपास खोजबीन की गई। इस दौरान रात करीब सवा 11 बजे कवर्ड वैन के अंदर पांच लोगों के शव मिले। उनकी पहचान तुरंत नहीं हो सकी। एक मृतक की 55 वर्षीय जैनब के रूप में हुई। वह गाजीपुर के काशिमपुर निवासी मोहम्मद अली की पत्नी थीं। जैनब अपनी बेटी संजीदा अख्तर से मिलने आई थीं। संजीदा घटनास्थल से करीब 200 गज दूर एक टेलर की दुकान में काम करती हैं। वह दुकान के अंदर खड़ी थीं, तभी एक सिलेंडर टिन की छत फाड़कर उनके सिर पर लगा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

बिहार में दर्दनाक हादसा, बाढ़ के पानी में डूबने से छह बच्चों की मौत

एजेंसी

भागलपुर : बिहार के भागलपुर जिले से रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में सोमवार को सड़क किनारे गड्ढे में भरे बाढ़ के पानी में डूबने से छह मासूम बच्चों की असमय मौत हो गई। मृतकों में चार लड़के और दो लड़कियां शामिल हैं। इस भीषण हादसे के बाद पूरे इलाके में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में मातम का माहौल छा गया है।

करमा पर्व पर नहाने गए थे बच्चे, गहराई का नहीं लगा अंदाजाः स्थानीय लोगों और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, करमा पर्व के सिलसिले में सभी बच्चे गांव के पास सड़क किनारे बने एक बड़े गड्ढे में जमा बाढ़ के पानी में नहाने पहुंचे थे। जलभराव के चलते बच्चों को गड्ढे की गहराई का बिल्कुल अंदाजा नहीं लग सका। नहाते समय बच्चे अचानक गहरे पानी की चपेट में आकर एक-एक कर-के डूबने लगे। बच्चों को डूबता देख आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें बचाने के लिए पानी में छलांग लगाई और आनन-फानन में पुलिस प्रशासन को भी सूचना दी गई। पुलिस और ग्रामीणों ने निकाले शव, परिवारों में मचा कोहराम हादसे की खबर मिलते ही सुल्तानगंज थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद सभी छह बच्चों के शवों को पानी से बाहर निकाला गया। पुलिस के अनुसार, जान गंवाने वाले बच्चों में पांच सुल्तानगंज नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 27 के निवासी थे, जबकि एक बच्चा सबौर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। एक साथ छह बच्चों के शव देख परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में सन्नाटा पसरा हुआ है।

प्रशासन ने की अपील, जलजमाव वाले इलाकों से बच्चों को रखें दूर3 सुल्तानगंज थाना प्रभारी धनंजय कुमार ने बताया कि सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम व आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है। भागलपुर समेत पूरे बिहार के कई निचले इलाकों में इन दिनों नदियां उफान पर हैं और जगह-जगह बाढ़ का पानी फैला हुआ है। प्रशासन ने लोगों से सख्त हिदायत देते हुए अपील की है कि वे बाढ़ के पानी, तालाबों और गहरे गड्ढों के पास जाने से बचें और अपने बच्चों को ऐसे खतरनाक जलस्रोतों से पूरी तरह दूर रखें।

हाईकोर्ट का गोड्डा-पीरपैंती रेल लाइन की जमीन अधिग्रहण अधिसूचना रद्द करने से इनकार

संवाददाता

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने गोड्डा-पीरपैंती नई ब्रॉडगेज रेल लाइन परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण से संबंधित 9 दिसंबर 2025 की अधिसूचना को रद्द करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता यह साबित नहीं कर सके कि रेलवे अधिनियम की धारा 20-डी के तहत निर्धारित 30 दिनों की अवधि में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष विधिवत आपत्ति दर्ज की गयी थी। कोर्ट ने गोड्डा-पीरपैंती रेल लाइन का एलाइनमेंट बदलने का निर्देश देने से भी इनकार किया। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने अशोक कुमार साह व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका खारिज कर दी।

याचिका में 9 दिसंबर 2025 की अधिसूचना को चुनौती देते हुए कहा गया था कि गोड्डा के मेहरमा प्रखंड के ग्रामीणों की जमीन परियोजना के लिए अधिग्रहित की जा रही है। याचिकाकताओं ने ग्रामीणों की आपत्तियों पर विचार करने और एसआरटी कॉलेज, धमरी के पास प्रस्तावित रेल लाइन के एलाइनमेंट को 400 से 750 मीटर पूर्व की ओर करने की मांग की थी, ताकि कम से कम आबादी प्रभावित हो।

कोर्ट ने कहा कि 9 दिसंबर 2025 की अधिसूचना रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 20-ई के तहत जारी हुई थी। इससे पहले 29 अगस्त 2025 को धारा 20-ए के तहत जमीन अधिग्रहण की मंशा संबंधी अधिसूचना जारी की गयी थी, जिसे स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया था। कानून के तहत संबंधित व्यक्ति को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सक्षम प्राधिकारी के समक्ष लिखित आपत्ति दाखिल करनी थी। खंडपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा रिकॉर्ड पर रखी गयी आपत्तियों पर कोई तारीख नहीं है। ये आपत्तियां डिप्टी कमिश्नर, गोड्डा को संबोधित थीं और कई अधिकारियों को इसकी प्रतिलिपि दी गयी थी, लेकिन इन्हें उस सक्षम प्राधिकारी के समक्ष दाखिल किए जाने का कोई प्रमाण नहीं है, जिसका उल्लेख 9 दिसंबर की अधिसूचना में किया गया था।
कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका में स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया गया है कि ये आपत्तियां 29 अगस्त 2025 की धारा 20-ए वाली अधिसूचना के प्रकाशन के बाद और उसके अनुपालन में दाखिल की गयी थीं। इसलिए केवल यह आरोप कि आपत्तियों पर विचार नहीं किया गया, अधिग्रहण की अधिसूचना रद्द करने का आधार नहीं बन सकता।
एलाइनमेंट बदलने का निर्देश देने से भी इनकारः रेलवे लाइन का एलाइनमेंट बदलने की मांग पर कोर्ट ने कहा कि सामान्य तौर पर रेलवे लाइन का एलाइनमेंट तय करना विशेषज्ञों का विषय है। न्यायिक समीक्षा का दायरा भी इस मामले में बेहद सीमित है। इसलिए कोर्ट रेलवे अधिकारियों को एलाइनमेंट बदलने का निर्देश नहीं दे सकता।
हालांकि खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि याचिका खारिज होने का मतलब यह नहीं है कि रेलवे अधिकारी ग्रामीणों की ओर से एलाइनमेंट बदलने के अनुरोध पर विचार नहीं कर सकते। यदि ऐसा बदलाव व्यवहारिक और उचित पाया जाता है, तो रेलवे अधिकारी उस पर विचार करने के लिए स्वतंत्र हैं। कोर्ट ने साथ ही स्पष्ट किया कि उसने रेलवे को ऐसा करने का कोई निर्देश नहीं दिया है।

मणिपुर के कांगपोकपी में हिंसक प्रदर्शन, नेशनल हाई-वे खोदा, सुरक्षाबलों पर पथराव-आगजनी

एजेंसी

इम्फाल: मणिपुर के कांगपोकपी में शनिवार देर रात तनाव बढ़ गया। सुरक्षाबलों द्वारा छह लोगों को हिरासत में लिए जाने के बाद कुकी समुदाय के लोग भडक गए। प्रदर्शनकारियों ने सडकों पर आगजनी के साथ सुरक्षाबलों के वाहनों पर पथराव किया। कई जगह सडकें खोद दी गईं। सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले दागकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। हिरासत में लिए गए लोगों को छोड़ने के बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए। जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों ने शनिवार शाम कांगपोकपी जिले के खोलेप गांव से छह लोगों को हिरासत में लिया था। उन पर हाल में हुई हिंसक वारदातों में शामिल सशस्त्र संगठनों से जुड़े होने का संदेह था। ग्रामीणों को हिरासत में लिए जाने की जानकारी फैलते ही कुकी समुदाय के लोग सडकों पर निकलने लगे।

रात करीब दस बजे कांगपोकपी बाजार, मोटबुंग और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में लोग जुट गए और हिंसक प्रदर्शन शुरू कर दिया। राष्ट्रीय राजमार्ग-दो (इंफाल से दीमापुर) पर जगह-जगह जाम लगाए जाने से बड़ी संख्या में वाहन फंस गए। हालात बिगड़ने पर अतिरिक्त बल मौके पर भेजे गए। इस पर प्रदर्शनकारियों ने जगह-जगह टायर जलाने के साथ सरकारी और सुरक्षाबलों के वाहनों पर पथराव किया। सुरक्षाबलों के वाहनों को रोकने के लिए भारी मशीनों से कई जगह सडकों पर खुदाई भी कर दी। आधी रात तक भारी बवाल के बाद सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले दागकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। बाद में अधिकारियों से बातचीत के दौरान ग्रामीणों ने दावा किया कि सुरक्षाबलों ने छह ग्रामीणों को बिना कोई कारण बताए हिरासत में लिया है।

न्यूज IN ब्रीफ

यूपी पुलिस से मुठभेड़ में मारे गए टीएसपीसी सुप्रीमो ब्रजेश गंझू का शव पहुंचा पैतृक गांव

चतरा : यूपी पुलिस के साथ हुए मुठभेड़ में मारे गए टीएसपीसी सुप्रीमो बृजेश गंझू का शव आज उसके पैतृक गांव लावालौंग का लूटू सुहावन गांव पहुंचा।शव के गांव पहुंचते ही आसपास के इलाके में लोगों की भीड़ जुटने लगी। अंतिम संस्कार को लेकर प्रशासन एवं पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गांव के श्मशान घाट में उसका अंतिम संस्कार किए जाने की तैयारी है।ब्रजेश के शव को गांव लाए जाने के बाद सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त बल की तैनाती की है। आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखी जा रही है। संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी भी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

ब्रजेश का शव लेने छोटे भाई और भगिना गए थे वाराणसी : ब्रजेश गंझू का शव लेने उनके छोटे भाई सुरेश और भगिना वाराणसी के रामपुर गए थे। पुलिस ने सभी जरूरी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव उनके भाई को सौंप दिया।

पूर्व विधायक भाई ने यूपी पुलिस पर हत्या का लगाया आरोप वहीं टीएसपीसी सुप्रीमो के बड़े भाई और सिमरिया के पूर्व विधायक गणेश गंझू ने पुलिस पर इनकाउंटर का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उनके भाई की पकड़ कर हत्या की है।कहा कि,घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग करेंगे।

भूसुर में सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति का गठन, सुशील कुमार यादव बने अध्यक्ष

लातेहार : आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर रविवार को भूसुर गांव स्थित दुगार्बाड़ी प्रांगण में ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में पूजा आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से भूसुर सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति का गठन किया गया।

इसमें सुशील कुमार यादव को अध्यक्ष, बिनोद उरांव को उपाध्यक्ष, मुकेश यादव को सचिव, दिलीश्वर साहू को उप सचिव, रंजीत यादव को कोषाध्यक्ष तथा संदीप यादव को उपकोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा संरक्षक मंडल, संयोजक मंडल एवं कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन किया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुशील कुमार यादव ने कहा कि दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं भव्य तरीके से संपन्न कराने के लिए समिति के सभी सदस्य और ग्रामीण मिलकर कार्य करेंगे। उन्होंने ग्रामीणों से पूजा आयोजन में सहयोग एवं सहभागिता की अपील की। बैठक में ग्रामीणों ने दुर्गा पूजा महोत्सव को आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ मनाने का संकल्प लिया।

कोयलांचल स्टील कामगार यूनियन ने मनायी उदय शंकर ओझा की पुण्यतिथि

रांची : रविवार को दोपहर 1:30 बजे रांची रेलवे स्टेशन स्थित वीआईपी गेट के पास मजदूरों के मसीहा स्वर्गीय उदय शंकर ओझा जी की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर कोयलांचल स्टील कामगार यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपेश पाठक बाबा ने मजदूरों के साथ स्वर्गीय उदय शंकर ओझा के चित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर दीपेश पाठक बाबा ने कहा कि स्वर्गीय उदय शंकर ओझा जी मेरे परम आदर्श और मेरे गुरुजी थे। आज से 10 वर्ष पूर्व वे हम सभी को छोड़कर चले गए, लेकिन उनके विचार और मजदूरों के प्रति उनका संघर्ष आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने कहा कि स्वर्गीय उदय शंकर ओझा का पूरा जीवन दबे-कुचले मजदूरों की आवाज को बुलंद करने और उनके हक एवं अधिकार के लिए संघर्ष करने में समर्पित रहा। वे केंद्रीय महावीर मंडल, झारखंड प्रदेश कांग्रेस, झारखंड ट्रक ओनर एसोसिएशन सहित कई सामाजिक एवं संगठनों से जुड़े रहे और मजदूरों तथा समाज के हित में लगातार कार्य करते रहे।

दीपेश पाठक बाबा ने कहा कि मजदूरों के हक और अधिकार के लिए लड़ना मैंने अपने गुरुजी से ही सीखा है। उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलना ही मेरे जीवन का उद्देश्य है।

कार्यक्रम में रांची महानगर कांग्रेस के उपाध्यक्ष अरुण चावला, चुटिया प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत गौरव, संजीव महतो, दहेज मुक्त झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष माखन पाठक, विकास सिंह, महेश राय, शशि, बादल, आयुष कुमार, इंदर यादव, अनूप कुमार मेहता, रॉकी साहू, सुमित कुमार सहित कई लोग एवं मजदूर उपस्थित रहे।

सभी उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय उदय शंकर ओझा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

झारखंड से अक्तूबर में होगी मानसून की विदाई

5 दिन बारिश-गरज का दौर, कहीं-कहीं मेघ गर्जन-वज्रपात, 50 किलो/घंटे की रफ्तार से चलेगी तेज हवा

संवाददाता

रांची : झारखंड में अगले पांच दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 25 सितंबर तक राज्य में बादल छाए रहने के साथ कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान कहीं-कहीं मेघ गर्जन, वज्रपात और 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने के आसार हैं। 21 सितंबर यानी आज कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। 22 सितंबर को हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने वज्रपात के दौरान लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

23 सितंबर को आठ जिलों में भारी बारिशः 23 सितंबर को राज्य के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की प्रबल संभावना है। दक्षिण-पूर्वी झारखंड के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां तथा मध्य झारखंड के रांची, खूंटी, रामगढ़, बोकारो और धनबाद में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने के साथ गरज और वज्रपात की भी चेतावनी है।

24 सितंबर को भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश के साथ तेज हवा, गरज और वज्रपात हो सकता है। 24 और 25 सितंबर को राज्य के लगभग सभी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश या मेघ गर्जन के साथ बौछार पड़ने की संभावना है। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आने के साथ लोगों को उमस से भी राहत मिलने की उम्मीद है।

रांची में 21 से 25 तक बारिशः राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में 21 से 25 सितंबर तक मौसम मुख्यतः बादलयुक्त रहने का अनुमान है। 21 सितंबर को एक-दो बार हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान करीब 32 डिग्री और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। 22 सितंबर को भी आसमान में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे और एक-दो बार हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, सितंबर के अंतिम सप्ताह में बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में बनने वाली मौसमी गतिविधियों का असर झारखंड पर पड़ सकता है। 25 से 28 सितंबर के आसपास राज्य के कई हिस्सों में बारिश और गरज-चमक की गतिविधियां बढ़ने तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। हालांकि, इसकी तस्वीर 21-22 सितंबर तक और स्पष्ट होगी।

अक्तूबर में मानसून की विदाईः झारखंड से मानसून की विदाई में अभी समय है। सामान्य परिस्थितियों में राज्य से मानसून की पूरी तरह वापसी अक्तूबर के पहले-दूसरे सप्ताह के आसपास होती है। पूवार्नुमान के मुताबिक 10 अक्तूबर तक राज्य के अधिकांश हिस्सों से मानसून की वापसी देखी गई है। मानसून की वापसी केवल तारीख के आधार पर तय नहीं होती।

झारखंड से मानसून की विदाई में अभी समय है। सामान्य परिस्थितियों में राज्य से मानसून की पूरी तरह वापसी अक्तूबर के पहले-दूसरे सप्ताह के आसपास होती है।

झारखंड से मानसून की विदाई में अभी समय है। सामान्य परिस्थितियों में राज्य से मानसून की पूरी तरह वापसी अक्तूबर के पहले-दूसरे सप्ताह के आसपास होती है।

इसके लिए लगातार करीब पांच दिन तक बारिश की गतिविधि में कमी, निचले स्तर पर प्रतिचक्रवात और वातावरण में नमी में उल्लेखनीय कमी जैसे संकेत जरूरी होते हैं। इस बार सितंबर के अंतिम सप्ताह में होने वाली बारिश से उन जिलों में बारिश की कमी कुछ हद तक पूरी होने की उम्मीद है, जहां मानसून के दौरान सामान्य से कम बारिश हुई है।

राज्य स्तरीय नेहरू कप का फाइनल आज खूंटी और सिमडेगा के बीच खिताबी भिड़ंत

संवाददाता

रांची : राज्य स्तरीय जवाहरलाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची की ओर से आयोजित प्रतियोगिता के मुकाबले मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी और मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, बरियातू में खेले गए। मुकाबलों के साथ अंडर-17 बालक और बालिका वर्ग के फाइनल में पहुंचने वाली टीमों की तस्वीर भी साफ हो गई।

अंडर-17 बालक वर्ग में फाइनल मुकाबला खूंटी और सिमडेगा के बीच होगा। क्वार्टर फाइनल में खूंटी ने धनबाद को 7-0, लातेहार ने पश्चिमी सिंहभूम को 3-0, गुमला ने रांची को 3-0 और सिमडेगा ने सरायकेला को 6-0 से हराया। सेमीफाइनल में खूंटी ने लातेहार को 5-0 और सिमडेगा ने गुमला को 6-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

अंडर-17 बालिका वर्ग में सिमडेगा और रांची आमने-सामने होंगी। क्वार्टर फाइनल में सिमडेगा ने पश्चिमी सिंहभूम को 11-0, खूंटी ने लोहरदगा को 7-0, हजारीबाग ने सरायकेला को 7-0 और रांची ने जामताड़ा को 14-0 से हराया। सेमीफाइनल में सिमडेगा ने खूंटी को 4-1 और रांची ने हजारीबाग को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

वहीं, अंडर-15 बालक वर्ग के क्वार्टर फाइनल में खूंटी ने लोहरदगा को 5-0, सिमडेगा ने सरायकेला को 4-0, गुमला ने रामगढ़ को 7-0 और हजारीबाग ने चतरा को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस वर्ग के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले 21 सितंबर को खेले जाएंगे।

राज्य स्तरीय जवाहरलाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता का समापन समारोह और फाइनल मुकाबले 21 सितंबर को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी में आयोजित होंगे।

रैयती जमीन पर बिना अनुमति स्कूल भवन बनाने का आरोप

संवाददाता

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र में रैयती जमीन पर बिना अनुमति विद्यालय भवन का निर्माण कराए जाने का मामला सामने आया है।जमीन मालिक ने इसको लेकर चतरा उपायुक्त को आवेदन देकर निर्माण कार्य पर रोक लगाने और जमीन की जांच कराने की मांग की है।आवेदन में हंटरगंज थाना क्षेत्र के औरु पंचायत अंतर्गत सतघरवा गांव निवासी कैलाश यादव ने बताया है कि उनकी रैयती जमीन खाता नंबर-10 और प्लॉट नंबर-125 में है। उन्होंने बताया कि उक्त जमीन पर पूर्व में विद्यालय का भवन बनाया गया था। समय के साथ भवन जर्जर हो गया, जिसके बाद उसे तोड़ दिया गया।कैलाश यादव का कहना है कि अब उसी जमीन पर उनकी अनुमति और सहमति के बिना फिर से विद्यालय भवन का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने आवेदन में कहा है कि इससे उनके जमीन संबंधी अधिकार प्रभावित हो रहे हैं और आगे विवाद की स्थिति बन सकती है।उन्होंने उपायुक्त से जमीन के राजस्व अभिलेख और स्थल की मांग की है। साथ ही जांच पूरी होने तक उनकी रैयती जमीन पर चल रहे विद्यालय निर्माण कार्य को रोकने का आग्रह किया है।जमीन मालिक ने प्रशासन से मामले की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने और नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

कार व केटीएम बाइक की आमने-सामने टक्कर, दोनों चालक घायल

तोरपाः खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर चुरगी के समीप रविवार की शाम करीब सात बजे कार और ङळट बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के चालक घायल हो गए। घायलों में ङळट चालक लेबलुस तोपनो, पिता बिरसा तोपनो, निवासी ओरमेंजा, तोरपा शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बैलेनो कार खूंटी से तोरपा की ओर जा रही थी। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही केटीएम बाइक की कार से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और दोनों चालक घायल हो गए। दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। स्थानीय लोगों ने घायल कार चालक को निजी वाहन से इलाज के लिए खूंटी भेजा। वहीं, सूचना मिलने पर तोरपा थाना पुलिस की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और घायल केटीएम चालक को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल, तोरपा पहुंचाया। रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने लेबलुस तोपनो की स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए खूंटी सदर अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बैलेनो कार और केटीएम बाइक को जब्त कर लिया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

प्रतापपुर-हंटरगंज सड़क पर गड्ढा बना हादसे का सबब

संवाददाता

चतरा : जिले के प्रतापपुर प्रखंड अंतर्गत प्रतापपुर-हंटरगंज मुख्य सड़क पर मिठुआडाहा पुल के समीप बना बड़ा गड्ढा राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। सड़क के बीच बने गड्ढे के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसके बावजूद अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराए जाने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। मिठुआडाहा पुल के पास सड़क पर बने इस गड्ढे में बारिश का पानी जमा हो जाने से इसकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालक अचानक

गड्ढे में गिरकर अनियंत्रित हो जाते हैं। कई बार पीछे से आ रहे वाहनों से टक्कर की स्थिति भी बन जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है। सबसे अधिक परेशानी नए वाहन चालकों को होती है। सड़क की स्थिति से अनजान चालक अचानक सामने आए गड्ढे को देखकर ब्रेक लगाते हैं, जिससे वाहन के फिसलने अथवा पीछे से आ रहे वाहन से टक्कर होने का खतरा बढ़ जाता है। रात के समय समस्या और गंभीर हो जाती है, क्योंकि पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण गड्ढा दूर से दिखाई नहीं देता। स्थानीय ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से सड़क का निरीक्षण कर गड्ढे की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं हुई तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने सड़क की स्थिति सुधारने और नियमित निगरानी की भी मांग की है।

महात्मा गांधी स्मारक स्कूल, हटिया मे 'प्रिवेंटिव विजिलेंस कैंपेन

संवाददाता

रांची : सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के दौरान 'प्रिवेंटिव विजिलेंस कैंपेन' (निवारक सतर्कता अभियान) के तहत महात्मा गांधी स्मारक स्कूल, हटिया में समृद्धि के लिए ईमानदारी विषय पर * बैठो, बनाओ और रंग भरो* प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) 2026 के 'प्रिवेंटिव विजिलेंस कैंपेन' के तहत आयोजित आउटरीच गतिविधियों के हिस्से के रूप में, रांची स्थित सतर्कता इकाइयों ने आज महात्मा गांधी स्मारक , हटिया के छात्रों के लिए *समृद्धि के लिए ईमानदारी* विषय पर एक *बैठो, बनाओ और रंग भरो* प्रतियोगिता आयोजित की।

इस कार्यक्रम में कुल 80 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने दो अलग-अलग श्रेणियों – कक्षा 1 से 5 और कक्षा 6 से 10 – में प्रतिस्पर्धा की। अपनी ड्राइंग और पेंटिंग के माध्यम से, युवा प्रतिभागियों ने विषय के प्रति अपनी समझ को रचनात्मक रूप से व्यक्त किया। उन्होंने दिखाया कि कैसे ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरण देश की समग्र समृद्धि और विकास का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

यह पहल रांची स्थित इकाइयों द्वारा चलाए जा रहे आउटरीच कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का हिस्सा है। इसका उद्देश्य निवारक सतर्कता के बारे में जागरूकता फैलाना और कम उम्र से ही युवा

मन में नैतिक मूल्यों को विकसित करना है। कला और पेंटिंग जैसी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से स्कूली छात्रों को शामिल करके, यह अभियान अगली पीढ़ी के लिए ईमानदारी और भ्रष्टाचार-विरोधी संदेश को सुलभ और यादगार बनाना चाहता है।

इस अवसर पर रांची स्थित सतर्कता इकाइयों के अधिकारी (जिनमें जीएम(सतर्कता) और एसीवीओ शामिल थे) और महात्मा गांधी स्मारक स्कूल का प्रबंधन व शिक्षण स्टाफ मौजूद था। उन्होंने छात्रों की सक्रिय भागीदारी और रचनात्मकता की सराहना की।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के तहत 'प्रिवेंटिव विजिलेंस कैंपेन' की अवधि में ऐसी आउटरीच पहलें आयोजित की जा रही हैं। इनका उद्देश्य जमीनी और स्कूली स्तर से ही ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही की संस्कृति का निर्माण करना है।

एम्स की तर्ज पर रांची में खुलेगा आयुष अस्पताल
900 करोड़ की परियोजना का डीपीआर तैयार

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में एम्स की तर्ज पर आयुष अस्पताल खोला जाएगा। इसके लिए 900 करोड़ रुपए की परियोजना तैयार कर डीपीआर बनाया गया है। और आयुष मंत्रालय, दिल्ली को भेज दिया गया है। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने रविवार को वन भवन के पलाश सभागार में आयोजित प्रदेश आयुर्वेद सम्मेलन में दी। वे सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे।

आयुष चिकित्सकों की समस्याओं के समाधान का भरोसाः स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आयुष चिकित्सकों की जो भी समस्याएं हैं, उनका समाधान किया जाएगा। इस संबंध में जल्द ही आयुष चिकित्सकों के एक प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाया जाएगा।

अधिकारियों की मौजूदगी में प्रतिनिधिमंडल के साथ उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

मंत्री को सौंपा सात सूत्री मांग पत्रः सम्मेलन के दौरान महामंत्री डॉ उमेश्वर शर्मा ने स्वास्थ्य मंत्री को आयुष चिकित्सकों से जुड़ी सात सूत्री मांगों का पत्र सौंपा। इस दौरान वक्ताओं ने आयुर्वेद चिकित्सा से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी बातें रखी। सम्मेलन में सुदामा प्रसाद, जेवियर सामाजिक संस्थान के प्रोफेसर डॉ अनंत कुमार, आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय बिहार के विभागाध्यक्ष डॉ प्रभात कुमार द्विवेदी, डॉ गौरव सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे। मौके पर स्वास्थ्य मंत्री समेत अन्य अतिथियों ने स्मारिका का विमोचन भी किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ जगन्नाथ त्रिपाठी ने किया।

आठ अक्तूबर को रांची आएंगे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान

भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचबी) का करेंगे दौरा

रांचीः केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान आठ अक्तूबर को रांची आएंगे। इस दौरान वह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचबी) का दौरा करेंगे। नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का करेंगे उद्घाटनः अपने रांची दौरे के दौरान शिवराज सिंह चौहान आईआईएचबी के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वह राजनीतिक कार्यकताओं से भी मुलाकात करेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का ऐलान

थैलेसीमिया-सिकल सेल मरीजों को मिलेगी राहत
अब निजी अस्पतालों में भी मुफ्त चढ़ेगा खून

संवाददाता

रांचीः झारखंड में थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और गंभीर एनीमिया से जूझ रहे मरीजों के लिए स्वास्थ्य विभाग ने नई व्यवस्था लागू की है। अब आयुष्मान भारत और अबुआ स्वास्थ्य कार्ड धारकों को सरकारी अस्पतालों के साथ सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में भी सुविधा मिलेगी। इन मरीजों को निर्धारित पैकेज के तहत निःशुल्क रक्त चढ़ाने की सुविधा मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग ने निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अलग-अलग पैकेज और उनकी दरें तय की है। यह व्यवस्था पूरे राज्य में लागू की गई है। इसका उद्देश्य नियमित रूप से रक्त चढ़वाने वाले मरीजों को अपने जिले या घर के आसपास इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना है।

दूर-दराज के अस्पतालों के चक्कर लगाने से मिलेगी राहतः स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया जैसे रोगों में मरीजों को नियमित अंतराल पर रक्त की जरूरत पड़ती है। सरकार का प्रयास है कि मरीजों को जांच, इलाज और रक्त चढ़ाने के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का चक्कर न लगाना पड़े। मंत्री ने कहा कि सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में भी सुविधा मिलने से मरीजों को अपने आसपास इलाज और रक्त चढ़ाने की सुविधा मिल सकेगी। मरीजों की स्क्रीनिंग, जरूरी जांच और

समुचित इलाज की व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा।

निजी अस्पतालों के लिए पैकेज तयः स्वास्थ्य विभाग ने यह सुनिश्चित किया है कि निजी अस्पतालों में भी मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल सके, जिसके लिए विभिन्न सेवाओं के पैकेज निर्धारित किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सिकल सेल एनीमिया और गंभीर एनीमिया के मामलों में निजी अस्पतालों के लिए अलग-अलग पैकेज निर्धारित किए हैं। रूटीन वार्ड के लिए 2,100 रुपये, एचडीयू के लिए 3,300 रुपये, बिना वेंटिलेटर आईसीयू के लिए 8,500 रुपये और वेंटिलेटर वाले आईसीयू के लिए 9,000 रुपये की दर तय की गई है। थैलेसीमिया मरीजों के लिए अलग डे-केयर पैकेज भी निर्धारित किए गए हैं, जिनमें रक्त चढ़ाने के साथ आवश्यक जांच और कुछ मामलों में आयरन चिलेशन दवाओं (शरीर से अतिरिक्त आयरन निकालने के लिए) का प्रावधान है। इन पैकेजों की दरें मरीज की श्रेणी के अनुसार 2,300 से 3,200 रुपये तक हैं।

जिले और घर के आसपास बेहतर इलाज पर जोरः स्वास्थ्य मंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार का लक्ष्य हर गरीब और जरूरतमंद मरीज को समय पर रक्त, जरूरी जांच और अच्छा इलाज देना है। यह नई व्यवस्था सिर्फ मौजूदा परेशानी को ही दूर नहीं करेगी, बल्कि यह सुनिश्चित करेगी कि आने वाले समय में भी मरीजों को अपने जिले और घर के पास ही इलाज की बेहतर सुविधाएं मिलें। कल्पना कीजिए, जो मरीज हर महीने रक्त चढ़वाने के लिए लंबी दूरी तय करते थे, अब उन्हें अपने घर के करीब ही यह सुविधा मिल जाएगी। यह पहल राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को काफी बढ़ाएगी और एक स्वस्थ, सशक्त झारखंड बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी, जिससे हजारों जिंदगियों में बड़ा और सकारात्मक बदलाव आएगा।

महानगर औद्योगिक दुर्गा पूजा समिति की नई कार्यकारिणी का गठन, शीला देवी अध्यक्ष मनोनीत

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय बैठक में हुए शामिल

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः धुर्वा स्थित द मे फेयर बैंक्वेट हॉल में रविवार को महानगर औद्योगिक दुर्गा पूजा समिति, रांची की वार्षिक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता रंजन यादव ने की। बैठक की शुरूआत समिति के संस्थापक स्वर्गीय वेद प्रकाश सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। बैठक में करीब 33 दुर्गा पूजा समितियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बैठक के दौरान पुरानी कार्यकारिणी समिति को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से वर्तमान पार्षद एवं स्वर्गीय वेद प्रकाश सिंह की धर्मपत्नी शीला देवी को समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

नई कार्यकारिणी में कमल ठाकुर, जितेंद्र सिंह, प्रेम नाथ चक्रवर्ती, प्रेम सिंह बागी और प्रोसेनजीत दीशान को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सभी पूजा समितियों के अध्यक्षों को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। समीर सिंह और अजय राज सिंह को मुख्य संरक्षक तथा शंभू सिंह, राजीव रंजन मिश्रा, सागर कुमार और शोभा यादव को संरक्षक बनाया गया।

बैठक में पूजा समितियों के प्रतिनिधियों ने दुर्गा पूजा के आयोजन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और तैयारियों पर अपनी बातें रखीं। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, पार्षद परमेश्वर सिंह, मयंक गिरि, उमेश यादव, पिक्ल चटर्जी, विजय बहादुर सिंह, अजय वर्मा, सुरजीत दीशान, समुद्र मिर्धा, विनिता सिंह, संध्या सिंह, ममता पासवान, ममता सक्सेना सहित अन्य लोग मौजूद रहे। हटिया उपाधीक्षक नीरज कुमार एवं धुर्वा थाना प्रभारी अभिषेक तिवारी भी बैठक में उपस्थित थे।

समाज सेवा के संकल्प के साथ चुनावी मैदान में शहबाज अहमद

- ✔ जमीयत–ए–इदरीसिया मरकजी 84 पंचायत चुनाव में खजांची पद के उम्मीदवार

गुलाम शाहिद

रांचीः जमीयत-ए-इदरीसिया मरकजी 84 पंचायत चुनाव 2026 को लेकर चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। खजांची पद के उम्मीदवार शहबाज अहमद ने समाज की सेवा और संगठन की मजबूती को अपना प्रमुख एजेंडा बताया है। उनके समर्थकों की ओर से मतदाताओं के बीच जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। शहबाज अहमद क्रम संख्या 3 पर चुनाव मैदान में हैं और उनका चुनाव निशान हवाई जहाज छाप है। समर्थकों की ओर से मतदाताओं से अपील की जा रही है कि क्रम संख्या 3, हवाई

जहाज छाप पर वोट देकर शहबाज अहमद को भारी मतों से विजयी बनाएं।

अभियान में समाज की सेवा को उद्देश्य बताते हुए संगठन के हितों को मजबूती देने और सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया जा रहा है। चुनाव को लेकर समर्थकों में भी उत्साह देखा जा रहा है।

लोहा चोरी कर कबाड़ में बेचने का आरोप, कई गिरफ्तार

रांचीः जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में लोहा चोरी कर कबाड़ दुकान में बेचने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में अमन सिंह, रितिक सिंह, कट्टूल कोचा और कबाड़ दुकानदार गुलाब अंसारी, बिरसा चौक को हिरासत में लिया है।

जानकारी के अनुसार, चोरी किया गया लोहा बिरसा चौक स्थित कबाड़ दुकान में गुलाब अंसारी के हाथों बेचने का आरोप है। चोरी की जानकारी मिलने के बाद मालिक ने जगन्नाथपुर थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

प्रकृति से प्रेम का त्योहार है करम पर्व

शिवा कच्छप

रांची: जिंदा रहने के लिए मनुष्य को हवा की आवश्यकता होती है और हवा वृक्ष द्वारा प्राप्त होती है। इनही वृक्षों की आदिवासी समाज पूजा करते है । करम पर्व के दिन लोग करम डाली काटकर उसे देवी मंडप लेकर पहुंचते है फिर अखरा में लाते है। करम देव को गांव के महतो द्वारा गाड़ा जाता है, फिर गीत गाते है, करम गाइड दे रे महतो। अखरा को रंग बिरंगे फूल,पत्ती से सजाते है, पूजा आरंभ होने पर उपवास पर रहे लड़का – लड़की करम दउरा या थाली में पूजा सामग्री लेकर पहुंचते है। उसमें तेल, सिन्दूर, धूप, दीया,खीरा, चीउडा आदि कहानी पहान द्वारा सुनया जाता है। दीपक के तेल लौ को पेचकी के पते से ढक कर अखरा लाया जाता है, फिर सभी लोग करमदेव के चारो ओर बैठ जाते है, वही करम अखरा में चारो ओर भेलवा, सखुआ आदि लाकर खड़ा कर दिया जाता है, आस्था के बाद सुकून भरे पल में लोग शालीनता पूर्वक पूर्वजो की कहानी सुनते है।

कांग्रेस का 26 को लोकभवन मार्च और महाधरना, के राजू होंगे शामिल

संवाददाता

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से एमएमडीआर एक्ट और चंदा चोरी के खिलाफ 26 सितंबर को रांची में लोकभवन मार्च एवं महाधरना प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के राजू दो दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने बताया कि के राजू 25 सितंबर को झारखंड दौरे पर आएंगे । वे हैदराबाद से रांची पहुंचेंगे और सुबह 11:10 बजे बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर उनका आगमन होगा । इसके बाद दोपहर 2 बजे से शाम 5

बजे तक वे रांची में आयोजित विभिन्न बैठकों में शामिल होंगे । रात्रि विश्राम स्टेट गेस्ट हाउस, रांची में करेंगे ।

उन्होंने बताया कि 26 सितंबर को सुबह 11:30 बजे के. राजू चंदा चोरी एवं एमएमडीआर 2026 के विरोध में आयोजित मार्च और महाधरना कार्यक्रम में शामिल होंगे । मार्च शहीद स्थल से लोकभवन, रांची तक निकाला जाएगा।

करम पर्व : प्रकृति, परंपरा और भाई - बहन के प्रेम का त्योहार

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : करम पर्व झारखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति और प्रकृति से गहरे जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। आदिवासी और मूलवासी समाज इसे श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाता है। यह केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान, भाई-बहन के प्रेम, सामाजिक एकता और सुख-समृद्धि की कामना का पर्व है।

झारखंड में प्रकृति से जुड़े पर्वों की लंबी परंपरा रही है। सरहुल के बाद करम को प्रमुख प्राकृतिक पर्व माना जाता है। सरहुल में अच्छी वर्षा की कामना की जाती है, जबकि करम में अच्छी फसल, खुशहाली और समृद्धि के लिए करम देवता की पूजा की जाती है। ये पर्व हमें यह संदेश देते हैं कि मनुष्य का जीवन प्रकृति से अलग नहीं, बल्कि उसी का हिस्सा है।

करम पर्व भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है। इस पर्व में विशेष रूप से कुंवारी युवतियां पूजा करती हैं, जिन्हें करमइती कहा जाता है। पूजा की तैयारी के लिए 3, 5 या 9 दिनों तक जावा/बालू उठाया

जाता है। करमइती सादा भोजन करती हैं और सुबह-शाम करम गीत गाकर जावा को जगाती हैं।

करम पर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसकी समृद्ध लोकगीत परंपरा है। पंचपरगनिया, कुड़मालि और नागपुरी लोकगीतों में पर्व की लगभग हर रस्म के लिए अलग गीत मिलते हैं—जावा उठाने, जावा जगाने, फूल लहराने, करम डाली काटने, पूजा, आशीष मांगने और विसर्जन तक हर चरण गीतों से जुड़ा है।

दसवें दिन करम राजा को निमंत्रण दिया जाता है। इसके बाद एकादशी की सुबह करमइती जंगल जाकर फूल, पत्ते, घास और धान जैसी प्राकृतिक सामग्री एकत्र करती हैं। लोकगीत गाते हुए वे नदी या सरोवर में स्नान कर करम वृक्ष के पास पहुंचती हैं।

करम डाली काटते समय भी विशेष लोकगीत गाए जाते हैं। उपासक और करमइती डाली को लेकर पूजा स्थल तक आते हैं। मान्यता के अनुसार, करम डाली को रास्ते में जमीन पर नहीं रखा जाता। पूजा स्थल पर उसे विधि-विधान से स्थापित किया जाता है।

करम पूजा में सिंदूर, धूना-धूप, खीरा, तागा, चूड़ा, गुड़, मधु, दूध-दही, घी, अरवा चावल, हरतकी, सुपारी, पान, दूध घास और बेलपत्र जैसी सामग्री का उपयोग होता है। पारंपरिक रूप से पूजा पाहान द्वारा कराई जाती है। पूजा के दौरान गीत और नृत्य होते हैं तथा लोग करम देवता से सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीर्वाद मांगते हैं।

पूजा के बाद पाहान करमा-धरमा की कथा सुनाते हैं। यह कथा करम पूजा की उत्पत्ति और कर्म, धर्म तथा जीवन-मूल्यों का संदेश देती है। कथा के बाद प्रसाद और तागा ग्रहण कर लोग घर लौटते हैं।

रात में गांव का करम आखड़ा सज उठता है। मांदर, ढोल-नगाड़ों और लोकगीतों की थाप पर माताएं-बहनें, युवा और बुजुर्ग रातभर नाचते-गाते हैं। यह उत्सव गांव की एकता और लोकसंस्कृति को जीवंत बनाए रखता है।

सुबह करम राजा का चुमाना किया जाता है। इसके बाद सिंदूआर, भेलवा आदि की डालियां खेतों के बीच गाड़ी जाती हैं। लोकमान्यता है कि इससे फसल रोगों से सुरक्षित रहती है। प्राकृतिक दृष्टि से देखें तो इन डालियों पर पक्षी बैठते हैं और खेतों के कीड़े-मकोड़े खाते हैं, जिससे फसलों की रक्षा में सहायता मिलती है।

अंत में करम राजा को ढोल-मांदर की थाप और गीत-नृत्य के साथ विसर्जन के लिए ले जाया जाता है। जहां से जावा या बालू उठाया गया था, वहीं उनका विसर्जन किया जाता है। इसके बाद करमइती पारना करती हैं और अपने घर लौटती हैं।

करम पर्व प्रकृति, कृषि, आस्था, लोकगीत, भाई-बहन के प्रेम और सामुदायिक एकता का सुंदर संगम है। यह पर्व झारखंड की मिट्टी में रची-बसी उस संस्कृति की पहचान है, जिसमें प्रकृति केवल पूजनीय नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

संजय सेठ
केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद

112 प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित
बेहतर प्रदर्शन के लिए बढ़ेगा हौसला

संवाददाता

रांचीः आम जनता हेल्पलाइन के तत्वावधान में रविवार को अंजुमन प्लाजा हॉल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उर्दू विषय में पीएचडी करने वाले, उर्दू टॉपर समेत विभिन्न मदरसों और मकतबों से सफल हाफिज-ए-कुरआन, आलिमा और हाफिजा को सम्मानित किया गया। इस दौरान कुल 112 प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन मुफ्ती दाऊद और हाजी फिरोज जिलानी ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि के रूप में काजी अनवर कासमी मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के आयोजन प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे उर्दू भाषी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी और अन्य बच्चों में भी बेहतर परिणाम हासिल करने

की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

मुफ्ती इमरान ने कहा कि मैट्रिक समेत अन्य परीक्षाओं में अच्छे अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को कई संगठन सम्मानित करते हैं, लेकिन आम जनता हेल्पलाइन ने उर्दू, मदरसा और मकतब से जुड़ी प्रतिभाओं को सम्मानित कर एक अलग पहल की है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहल समाज की प्रतिभाओं को पहचान देने के साथ-साथ दूसरों के लिए भी प्रेरणा का काम करती है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

भारतवंशी चीतों की बढ़ती संख्या

दुर्लभ चीता परियोजना की सफलता अंततः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास की देन है। मोदी देश ही नहीं दुनिया के ऐसे विरल सोच वाले नेता हैं, जो एक साथ अनेक विषयों पर सोचने के साथ क्रियान्वयन तो करते ही हैं, प्रकृति, पर्यावरण और वन्य जीव संरक्षण भी उनके सोच के दायरे में। देश में चीता पुनर्वास परियोजना उनकी इसी दृष्टि का एक सफल कीर्तिमान है। मध्यप्रदेश जिले के श्योपुर जिले में स्थित कूनो आभ्यारण्य की धरती पर अफ्रीका से लाए चीतों का पालन-पोषण चार साल पहले आरंभ हुआ था, जो अब एक बड़े भारतवंशी चीतों के कुल में बदल गया है। अफ्रीका से लाए चीतों के जीवित रहने की दर अनुमान से ज्यादा बेहतर रही। इसी का परिणाम है कि भारत में जन्म लेने वाले चीता शावकों का वंश लगातार बढ़ रहा है। कूनो में जन्मी मादा चीताएं अनेक बार मां बन चुकी हैं। इनसे जन्मे 19 शावक पूरी तरह स्वास्थ्य रहते हुए जंगली बाड़े में नटखट अठखेलियां करते हुए देखे जा सकते हैं। मानवीय निगरानी के बीच इनकी वृद्धि शत-प्रतिशत आंकी गई है। मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर 2022 को कूनो में नमीबियाई चीतों को छोड़ने के साथ इनके पुनर्वास की पहल हुई थी। वर्तमान में यहां चार मादाओं के 19 शावक उछलकूद मचाए हुए हैं।

भारत की धरती पर अब तक 49 चीतों का जन्म हो चुका है, जिनमें से 32 जीवित हैं। यानी कूनो में चीतों के जीवित रहने की दर 65.3 प्रतिशत है, जबकि इनके मूल निवास स्थल अफ्रीकी जंगलों में प्राकृतिक रूप से महज 5 से 10 प्रतिशत शावक ही व्यस्क होने का सुख भोग पाते हैं। यहां ऐसा इसलिए संभव हो पाया क्योंकि वनकर्मी अपने दायित्व का निर्वहन ईमानदारी से कर रहे हैं। दरअसल, कूनो का प्रबंधन बाहरी हस्तक्षेप से लगभग मुक्त है। इसीलिए यह वन प्रांत अफ्रीकी देशों से लाए गए चीतों के वंश के महाद्वीप में बदलता जा रहा है। यहां के वातावरण से अफ्रीका के वातावरण को भिन्न एवं प्रतिकूल माना जा रहा था, किंतु अब चीतों की संख्या में वृद्धि ने जता दिया है कि कूनो के जंगल का परिवेश इन चीतों के रहवास हेतु अनुकूलन रच रहा है। यह प्रकृति की ही देन हैं। प्रदेश के जंगलों में बाघ, तेंदुए और स्याहगोश तो पूर्व से ही हैं, अब बिल्ली प्रजाति का चीता भी यहां के आभ्यारण्यों में देखा जाने लगा है। प्रदेश के ही गांधी सागर आभ्यारण्य में भी चीते छोड़े गए हैं लेकिन यहां इनकी फिलहाल वंशवृद्धि शुरू नहीं हुई है। हालांकि चीता शावकों के जन्म को लेकर यह विडंबना देखने में आ रही है कि जो चीते बाड़े में जन्म लेते हैं, उनके जीवित रहने की दर तो उत्तम है, किंतु खुले जंगल में जन्मे ज्यादातर चीते जिंदा नहीं रह पा रहे हैं। कूनो में जन्मी मादा केजीपी-12 ने 11 अप्रैल 2026 को खुले जंगल में चार शावकों को जन्म देकर इतिहास रचा था। यह भारत में जन्मी किसी मादा द्वारा वन में प्राकृतिक प्रसव का पहला मामला था लेकिन एक महीने के भीतर 12 मई को चारों शावक मृत पाए गए। इसके बाद छह जून को इनकी मां का भी निधन हो गया। ये मौतें कैसे हुईं, यह रहस्य ही बना हुआ है। नमीबिया से लाए गए आठ चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो राश्ट्रीय उद्यान में प्रधानमंत्री ने छोड़ा था। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते और लाकर छोड़े गए थे। नई धरती और जलवायु परिवर्तन के चलते इन चीतों को आरंभ में यहां के मौसम से तालमेल बिठाने में दिक्कतें आईं। नतीजतन छह वयस्क और यहीं पैदा हुए चार शावकों में से तीन की मौतें भी हुईं थीं, इस कारण परियोजना पर सवाल भी खड़े किए गए थे। दक्षिण अफ्रीका से लाकर बसाए गए 12 चीतों को 18 फरवरी 2024 को दो साल पूरे हो हुए थे, इस अवधि में इन चीतों की मृत्यु दर में कमी ने परियोजना की सफलता के प्रथम लक्ष्य को प्राप्त कर लिया था। इनकी जीवित रहने की दर शुरूआत में नमीबिया से लाए चीतों से बेहतर रही थी। दक्षिण अफ्रीका से आए 12 चीतों में से 33.3 प्रतिशत की मौत हुई, जबकि नमीबिया से लाए गए चीतों में से 37.5 प्रतिशत चीतों की मौत हुई। अफ्रीका से लाई गई तीन मादा चीताओं ने अब तक 12 शावकों को जन्म दिया, जो भारतीय परिवेश में पलते एवं बढ़ते चले गए। इन्होंने ही नए घर कूनो में आबादी बढ़ाने की शुरूआत की थी। नए आवास स्थलों में 50 फीसदी चीतों की मौत को सामान्य माना जाता है। एक समय था जब चीते की रफ्तार भारतीय वनों की शान हुआ करती थी लेकिन 1947 के आते-आते चीतों की आबादी पूरी तरह लुप्त हो गई। 1948 में अंतिम चीता छत्तीसगढ़ के सरगुजा में देखा गया था। जिसे मार गिराया गया था। चीता तेज रफ्तार का आश्चर्यजनक चमत्कार माना जाता है। अपनी विशिष्ट एवं लोचपूर्ण देयदृष्टि के लिए भी इस हिंसक वन्य जीव की अलग पहचान थी। शरीर में इसी चपलता के कारण यह जंगली प्राणियों में सबसे तेज दौड़ने वाला धावक है। बीती सदी में चीतों की संख्या एक लाख तक थी लेकिन अफ्रीका के खुले घास वाले जंगलों से लेकर भारत सहित लगभग सभी एशियाई देशों में पाया जाने वाला चीता पूरे एशियाई जंगलों में गिनती के रह गए हैं। राजा चीता (एसिनोनिक्स रेक्स) जिम्बाब्वे में मिलता है। अफ्रीका के जंगलों में भी गिने-चुने चीते रह गए हैं। तंजानिया के सेरेंगती राष्ट्रीय उद्यान और नमीबिया के जंगलों में गिने-चुने चीते हैं। प्रजनन के तमाम आधुनिक व वैज्ञानिक उपायों के बावजूद जंगल की इस फुतीर्ली नस्ल की संख्या बढ़ाई नहीं जा पा रही थी। यह प्रकृति के समक्ष वैज्ञानिक दंभ की नाकामी मानी जाने लगी थी। जूलॉजिकल सोसायटी आफ लंदन की रिपोर्ट को मानें तो दुनिया में 91 प्रतिशत चीते 1991 में ही समाप्त हो गए थे। एशिया में ईरान में केवल 50 चीते शेष हैं। अफ्रीकी देश केन्या के मासीमारा क्शेत्र को चीतों का गढ़ माना जाता था लेकिन अब इनकी संख्या गिनती की रह गई है। ऐसे में भारत में चीतों की वंशवृद्धि दुनिया के लिए खुशखबरी है। बीती सदी के पांचवें दशक तक चीते अमरीका के चिड़ियाघरों में भी थे। प्राणी विशेषज्ञों की अनेक कोशिशों के बाद इन चीतों ने 1956 में शिशुओं को जन्म भी दिया, परंतु किसी भी शिशु को बचाया नहीं जा सका। चीते द्वारा किसी चिड़ियाघर में जोड़ा बनाने की यह पहली घटना थी, जो नाकाम रही। जंगल के हिंसक जीवों का प्रजनन चिड़ियाघरों में आश्चर्यजनक ढंग से प्रभावित होता है इसलिए शेर, बाघ, तेंदुए व चीते चिड़ियाघरों में जोड़ा बनाने की इच्छा नहीं रखते हैं। भारत में चीतों की अंतिम पीढ़ी के कुछ सदस्य बस्तर-सरगुजा के घने जंगलों में थे, जिन्हें 1947 में देखा गया था। प्रदेश अथवा भारत सरकार इनके संरक्षण के जरूरी उपाय करने हेतु हरकत में आती, इससे पहले ही चीतों के इन अंतिम वंशजों को भी शिकार के शौकीन राजा-महाराजाओं ने मार गिराया और भारतीय चीतों की नस्ल पर पूर्ण विराम लग गया था। कूनो के बाद अब मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के गांधीसागर अभ्यारण्य में चीते छोड़े गए हैं। यहां भी कूनो की तरह इनकी वंशवृद्धि की उम्मीद है। हमारे देश के राजा-महाराजाओं को घोड़ों और कुत्तों की तरह चीते पालने का भी शौक था। चीता शावकों को पालकर इनसे जंगल में शिकार कराया जाता था। राजा लोग जब जंगल में आखेट के लिए जाते थे, तो प्रशिक्षित चीतों को बैलगाड़ी में बिठाकर साथ ले जाते थे। इनकी आंखों पर पट्टी बांध दी जाती थी, जिससे यह किसी मामूली वन्य जीव पर न झपटे। जब शिकार राजाओं की दृष्टि के दायरे में आ जाता था, तो चीते की आंखों की पट्टी खोलकर शिकार की दिशा में हाथ से इशारा कर दिया जाता था। पलक झपकते शिकार चीते के जबड़े में होता।

पैसा नहीं, भरोसा है यूपीआई की सबसे बड़ी पूंजी

चाय की दुकान से लेकर मॉल तक, रेहड़ी-पटरी वाले से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक यूपीआई भारतीय जीवन का हिस्सा बन चुका है। ऐसे में 15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने का निर्णय केवल भुगतान उद्योग का व्यावसायिक निर्णय नहीं है

योगेश कुमार गोयल

जिस यूपीआई ने भारत में भुगतान की आदत बदल दी, अब उसी यूपीआई की अर्थव्यवस्था बदलने जा रही है। मोबाइल निकाला, क्यूआर कोड स्कैन किया और भुगतान हो गया, न नकदी की जरूरत, न खुले पैसे की चिंता और न किसी अतिरिक्त शुल्क का झंझट। चाय की दुकान से लेकर मॉल तक, रेहड़ी-पटरी वाले से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक यूपीआई भारतीय जीवन का हिस्सा बन चुका है। ऐसे में 15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने का निर्णय केवल भुगतान उद्योग का व्यावसायिक निर्णय नहीं है बल्कि यह भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के भविष्य से जुड़ा सवाल है। इसलिए पहले सभी प्रकार के भ्रम दूर होने चाहिए। फिलहाल ग्राहक के बैंक खाते से 0.4 प्रतिशत शुल्क नहीं कटेगा, यह एमडीआर व्यापारी से लिया जाना है। 2,000 रुपये तक के पी2एम लेन-देन इससे बाहर रहेंगे और पर्सन-टू-पर्सन यानी पी2एम भुगतान राशि की परवाह किए बिना मुफ्त रहेंगे। सरकार के अनुसार लगभग 96 प्रतिशत पी2एम लेन-देन भी इस व्यवस्था से प्रभावित नहीं होंगे। 75,000 रुपये या उससे अधिक के पात्र लेन-देन पर एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 रुपये होगी। अर्थात आज की स्थिति में यह कहना गलत होगा कि 2,000 रुपये से ज्यादा का यूपीआई भुगतान करने पर ग्राहक को सीधे 0.4 प्रतिशत देना पड़ेगा।

यहीं से एक बड़ा सवाल जन्म लेता है कि क्या किसी शुल्क का ग्राहक से सीधे न लिया जाना यह गारंटी देता है कि उसका अंतिम आर्थिक बोझ ग्राहक तक नहीं पहुंचेगा? इसका उत्तर बाजार के व्यवहार में छिपा है। व्यापारी से शुल्क लिया जाएगा तो वह इसे अपने खर्च में जोड़ेगा। कोई व्यापारी अपना मार्जिन घटाकर लागत वहन कर सकता है, कोई वस्तु या सेवा की कीमत में उसे समायोजित कर सकता है और कोई ग्राहक को नकद भुगतान की ओर आकर्षित कर सकता है। यूपीआई की असली ताकत उसकी तकनीक भर नहीं है बल्कि उसकी असली ताकत उसकी सहजता, गति और कम लागत है। यदि भुगतान से पहले नागरिक को यह सोचना पड़े कि कौन-सा माध्यम सस्ता है, किस राशि पर शुल्क लगेगा और व्यापारी उससे कितना अतिरिक्त पैसा मांगेगा तो डिजिटल भुगतान की सरलता पर चोट होगी। यहां सरकार के सामने एक वास्तविक चुनौती भी है। माना कि इतना विशाल भुगतान नेटवर्क मुफ्त में नहीं चलता। लगातार बढ़ते लेन-देन के साथ सर्वर, नेटवर्क, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकथाम, तकनीकी रखरखाव और डिजिटल अवसंरचना पर भारी खर्च होता है। वर्षों तक यूपीआई पर शून्य एमडीआर की व्यवस्था में इस लागत का बड़ा हिस्सा बैंक, भुगतान कंपनियां और सरकार वहन करते रहे हैं। इसलिए यूपीआई को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाने के लिए कोई मॉडल तलाशना अपने आप में गलत नहीं है। लेकिन टिकाऊपन के नाम पर जनता की जेब को स्थायी राजस्व स्रोत बना देना भी स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। यहीं बर्नस्टीन का अनुमान महत्वपूर्ण हो जाता है। उसके आकलन के अनुसार, यदि यूपीआई के कुल ट्रांजैक्शन मूल्य के आधे हिस्से पर 40 बेसिस प्वाइंट यानी 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाया जाए तो वित्त वर्ष 2028 तक लगभग 22,000 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व पूल बन सकता है। उसके अनुमान के अनुसार, इसमें बैंकों और भुगतान ऐप्स की हिस्सेदारी भी बड़ी होगी। यह कोई सरकारी राजस्व अनुमान नहीं बल्कि एक बाजार विश्लेषण है लेकिन यह जरूर बताता है कि यूपीआई अब केवल सुविधा नहीं बल्कि बहुत बड़ा आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र बन चुका है। यूपीआई के आंकड़े इसकी ताकत बताते हैं। 2016-17 में जहां यूपीआई लेन-देन लगभग दो करोड़ थे और उनका मूल्य करीब 7,000 करोड़ रुपये था, वहीं 2025-26 में लेन-देन बढ़कर लगभग 24,162 करोड़ और कुल मूल्य करीब 314 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। एक दशक में हुई यह छलांग बताती है कि यूपीआई अब भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ जैसी डिजिटल अवसंरचना बन चुका है और जब कोई व्यवस्था इतनी बड़ी हो जाए तो उसके नियमों में छोटा बदलाव भी बड़ा प्रभाव पैदा कर सकता है। संख्या के लिहाज से 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान कुल लेन-देन में छोटा हिस्सा हो सकते हैं लेकिन उनकी कुल वैल्यू बहुत बड़ी है। यानी नीति निमार्ताओं ने फिलहाल ऐसी श्रेणी चुनी है, जहां अपेक्षाकृत कम संख्या में लेन-देन से भुगतान नेटवर्क की लागत का बड़ा हिस्सा निकाला जा सकता है और रोजमर्रा के छोटे भुगतान को बचाया जा सकता है। यह संतुलन बनाए रखना ही असली चुनौती है। छोटे दुकानदार और रेहड़ी-पटरी वाले यूपीआई के सबसे बड़े लाभार्थियों में हैं। उनके लिए डिजिटल भुगतान सुविधा भी है और कारोबार बढ़ाने का माध्यम भी। यदि भुगतान स्वीकार करने की लागत बढ़ती है तो उसका असर उनके छोटे-छोटे मार्जिन पर पड़ सकता है। इसलिए छोटे व्यापारियों के लिए उपलब्ध छूट और सुरक्षा प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है। दूसरी चिंता पारदर्शिता की है। यदि एमडीआर लागू हो रहा है तो जनता को यह साफ-साफ बताया जाना चाहिए कि उससे प्राप्त रकम का आर्थिक ढांचा क्या होगा, किस हिस्से से किस पक्ष की लागत पूरी होगी और भुगतान अवसंरचना को मजबूत करने में इसका कितना उपयोग होगा। जनता पर लागत डालने से पहले जनता को हिसाब मिलना चाहिए। तीसरी और सबसे बड़ी चिंता भविष्य की है। आज सीमा 2,000 रुपये है। आज शुल्क व्यापारी देता है। आज पी2एम भुगतान मुफ्त है। इन तीनों तथ्यों को स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाना चाहिए लेकिन इसी के साथ यह भी समझना होगा कि किसी भी आर्थिक व्यवस्था में शुल्क संरचना स्थिर रहने की गारंटी स्वतः नहीं होती। भविष्य में यदि कोई बदलाव प्रस्तावित होता है तो उसे अलग से नीति, सार्वजनिक बहस और स्पष्ट सरकारी निर्णय के रूप में देखा जाना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था से यह निष्कर्ष निकालना कि अब हर यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगना तय है, तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं होगा लेकिन इस आशंका को पूरी तरह नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। डिजिटल भुगतान का भरोसा बहुत मुश्किल से बनता है और बहुत आसानी से कमजोर हो सकता है। नागरिकों को यदि लगे कि जिस सुविधा को अपनाने के लिए उसे वर्षों तक प्रोत्साहित किया गया, अब उसी सुविधा के लिए धीरे-धीरे भुगतान करना पड़ेगा तो सवाल केवल कुछ रुपयों का नहीं रहेगा बल्कि सवाल यह होगा कि डिजिटल भारत की लागत आखिर कौन चुका रहा है? सरकार को इसलिए एक स्पष्ट लक्ष्मण रेखा खींचनी होगी। छोटे भुगतान मुफ्त रहें, पी2एम भुगतान मुफ्त रहे, छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े और सबसे महत्वपूर्ण यह कि भविष्य में शुल्क संरचना में कोई बदलाव हो तो वह पारदर्शी तरीके से हो, न कि धीरे-धीरे ऐसी व्यवस्था के रूप में, जिसमें नागरिक को हर डिजिटल भुगतान पर किसी न किसी शुल्क का सामना करना पड़े। यूपीआई को राजस्व का स्रोत बनाने की जल्दबाजी डिजिटल क्रांति के मूल उद्देश्य को कमजोर कर सकती है। भारत ने नकदी से डिजिटल भुगतान की ओर आने के लिए नागरिकों को प्रेरित किया।

कचरे के ढेर पर बढ़ते शहर

भारत के ठोस अपशिष्ट की प्रकृति अत्यंत विविध है। घरेलू और व्यावसायिक गतिविधियों से निकलने वाला नगरपालिका ठोस अपशिष्ट इसका सबसे बड़ा हिस्सा है, जिसमें भोजन और अन्य जैविक पदार्थों के साथ कागज, प्लास्टिक, कांच, धातु, कपड़ा और पैकेजिंग सामग्री शामिल होती है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण आर्थिक विकास, रोजगार और बेहतर जीवनस्तर के अवसर तो पैदा कर रहा है लेकिन इसके साथ उत्पन्न होने वाले ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक प्रबंधन अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। अनियोजित शहरी विस्तार, बढ़ती जनसंख्या, बदलती जीवनशैली, उपभोक्तावाद और एकल-उपयोग वाली वस्तुओं के बढ़ते इस्तेमाल ने शहरों में कचरे की मात्रा और विविधता दोनों को बढ़ा दिया है। अनेक शहरों में कचरे का संग्रहण, परिवहन और निस्तारण अभी भी मुख्यतः ह्यकलेक्ट-ट्रांसपोर्ट-डंपह्न मॉडल पर आधारित है। इसका परिणाम खुले में कचरा फेंकने, जलाने, जल स्रोतों के प्रदूषण, दुर्गंध, वायु प्रदूषण और लैंडफिल के बढ़ते दबाव के रूप में सामने आता है। इसलिए भारत के सामने चुनौती केवल कचरा हटाने की नहीं बल्कि उसे संसाधन में बदलने की है। भारत के ठोस अपशिष्ट की प्रकृति अत्यंत विविध है। घरेलू और व्यावसायिक गतिविधियों से निकलने वाला नगरपालिका ठोस अपशिष्ट इसका सबसे बड़ा हिस्सा है, जिसमें भोजन और अन्य जैविक पदार्थों के साथ कागज, प्लास्टिक, कांच, धातु, कपड़ा और पैकेजिंग सामग्री शामिल होती है। जैविक कचरे की बड़ी मात्रा भारत के लिए चुनौती के साथ अवसर भी है क्योंकि इससे खाद और बायोगैस का उत्पादन किया जा सकता है। प्लास्टिक अपशिष्ट दूसरी बड़ी समस्या है। विशेषकर मल्टी-लेयर पैकेजिंग और एकल-उपयोग प्लास्टिक का पुनर्चक्रण कठिन होता है तथा इनके नालियों, नदियों और समुद्रों तक पहुंचने की संभावना रहती है। निर्माण एवं विध्वंस से निकलने वाला मलबा भी तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें कंक्रीट, ईंट, पत्थर, टाइल, लकड़ी और धातु शामिल हैं। इसका वैज्ञानिक पुनर्चक्रण कर सड़क निर्माण तथा नए निर्माण में उपयोग किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त जैव-चिकित्सीय कचरा, ई-कचरा और खतरनाक औद्योगिक कचरा विशेष सावधानी की मांग करते हैं। अस्पतालों से निकलने वाले संक्रमित पदार्थ, सुइयां, दूषित प्लास्टिक और औषधीय अवशेष यदि सामान्य कचरे के साथ मिल जाएं तो स्वास्थ्यकर्मियों, कचरा बीनने वालों और आम नागरिकों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। इसी प्रकार कंप्यूटर, मोबाइल फोन, बैटरी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाले ई-कचरे में मूल्यवान धातुओं के साथ सीसा, पारा और अन्य हानिकारक पदार्थ भी हो सकते हैं। रसायन, सॉल्वेंट, पेंट और औद्योगिक अवशेष जैसे खतरनाक अपशिष्ट को सामान्य नगरपालिका कचरे से अलग रखना आवश्यक है। इस संकट से निपटने का पहला और सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी उपाय स्रोत पर कचरे का पृथक्करण है। गीले, सूखे और खतरनाक कचरे को अलग-अलग रखने से आगे की पूरी प्रबंधन प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनती है। जीपीएस आधारित कचरा वाहन, सेंसरयुक्त स्मार्ट बिन, फ्ब्ल्ल्ल तकनीक और डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली संग्रहण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और कुशल बना सकती हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि तकनीक नागरिक अनुशासन का विकल्प नहीं है। यदि घर और संस्थान स्तर पर कचरा अलग नहीं किया जाएगा तो अत्याधुनिक प्रसंस्करण संयंत्र भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे। जैविक कचरे के लिए कम्पोस्टिंग और बायोमिथेनेशन महत्वपूर्ण समाधान हैं। कम्पोस्टिंग के माध्यम से जैविक कचरे को उपयोगी जैविक खाद में बदला जा सकता है, जबकि एनारोबिक डाइजेशन से बायोगैस और जैविक अवशेष प्राप्त होते हैं। इससे लैंडफिल पर दबाव कम होने के साथ ऊर्जा और कृषि के लिए उपयोगी संसाधन प्राप्त होते हैं। बड़े शहरों में विकेंद्रीकृत कम्पोस्टिंग तथा बायोगैस संयंत्र परिवहन लागत और कचरे के अनावश्यक स्थानांतरण को भी कम कर सकते हैं।

सूखे कचरे के लिए मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी अत्यंत उपयोगी हैं। इनमें कन्वेयर बेल्ट, चुंबकीय पृथक्करण, एयर क्लासिफायर, ऑप्टिकल सॉर्टिंग और आधुनिक सेंसर तकनीक के माध्यम से कागज, धातु और विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक को अलग किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कंप्यूटर विजन आधारित प्रणालियां भविष्य में स्वचालित छंटाई को और अधिक प्रभावी बना सकती हैं। हालांकि, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री में गीले कचरे के मिश्रण से उसकी गुणवत्ता और आर्थिक उपयोगिता कम हो जाती है। इसलिए स्रोत पर पृथक्करण इस पूरी तकनीकी श्रृंखला की बुनियादी शर्त है। प्लास्टिक कचरे के लिए यांत्रिक पुनर्चक्रण अपेक्षाकृत साफ और समान प्रकार के प्लास्टिक में प्रभावी है। कठिन प्लास्टिक के लिए कुछ रासायनिक पुनर्चक्रण तथा पायरोलिसिस तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। इनसे ईंधन अथवा रासायनिक कच्चा माल प्राप्त करने की संभावना रहती है लेकिन इनकी ऊर्जा आवश्यकता, लागत और पर्यावरणीय प्रभाव का जीवन-चक्र मूल्यांकन आवश्यक है। केवल तकनीकी रूप से संभव होना किसी समाधान को स्वतः टिकाऊ नहीं बनाता। कचरे से ऊर्जा उत्पादन भी एक महत्वपूर्ण विकल्प है। नियंत्रित दहन और रिफ्यूज-डिराइव्ड फ्यूल तकनीक के माध्यम से ऐसे अवशिष्ट कचरे से ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है जिसे पुनर्चक्रित या जैविक रूप से संसाधित नहीं किया जा सकता। आधुनिक उत्सर्जन नियंत्रण प्रणालियां प्रदूषकों को नियंत्रित करने में सहायता करती हैं। लेकिन भारत के मिश्रित और अधिक नमी वाले नगरपालिका कचरे की ऊष्मीय क्षमता कई बार कम होती है। इसलिए बिना पृथक्करण के पूरे मिश्रित कचरे को जलाना उचित रणनीति नहीं माना जा सकता। ऊर्जा उत्पादन को पुनर्चक्रण और जैविक प्रसंस्करण का विकल्प नहीं बल्कि उनके बाद बचने वाले अवशिष्ट कचरे के प्रबंधन का साधन माना जाना चाहिए।

सालों के इंतजार के बाद ऐसे बना शेर मां दुर्गा का दिव्य वाहन

हिंदू धर्म में मां दुर्गा को असीम दिव्य शक्ति और ऊर्जा की सर्वोच्च देवी के रूप में पूजा जाता है। देवी दुर्गा को आदि शक्ति, जगत जननी और ब्रह्मांड की माता माना जाता है। जोकि ज्ञान और बुराई को खत्म करके धर्म की रक्षा करती हैं। भारत में देवी दुर्गा को समर्पित कई मंदिर हैं, जहां पर मां दुर्गा की पूजा होती है। वहीं मां दुर्गा का दिव्य वाहन शेर है, जिस पर मां दुर्गा सवार होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शक्तिशाली शेर मां दुर्गा का वाहन कैसे बना। आज हम इस आर्टिकल के जरिए इस पौराणिक कथा के बारे में बताने जा रहेहैं।

भूखा शेर बना मां दुर्गा का वाहन

महर्षि व्यास द्वारा रचित 'श्रीमद् देवीभागवत पुराण' मां दुर्गा की उत्पत्ति और उनके कर्तव्यों को समर्पित है। शेर की मां दुर्गा के वाहन बनने की कहानी तब शुरू होती है, जब देवी पार्वती भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए घोर तपस्या कर रही थीं।

कई सालों की तपस्या से प्रसन्न होकर महादेव देवी पार्वती को पत्नी रूप में स्वीकार कर लेते हैं। इसी बीच तपस्या के प्रभाव से देवी पार्वती का रंग काला पड़ गया था। एक दिन भगवान शिव देवी पार्वती को काली कह देते हैं, यह बात देवी पार्वती को अच्छी नहीं लगती है और वह नाराज होकर फिर से तपस्या करने चली जाती हैं।

पौराणिक कथाओं के मुताबिक जब मां पार्वती तपस्या कर रही थीं, उस दौरान वहां पर एक शेर घूमते-घूमते आ गया। मां को खाने की इच्छा रखने वाला शेर मां पार्वती का तप पूरा होने का इंतजार करता है। समय बीतता जाता है और शेर तपस्या खत्म होने का इंतजार करता है। जब सालों बीत जाते हैं और शेर का देवी पार्वती का इंतजार करता रहा, तब देवी को खाने की इच्छा के साथ वह देवी पार्वती के पास जाता है, लेकिन देवी के तप के तेज से वह पीछे हट जाता है। कई बार कोशिश करने के बाद भी शेर उनके पास नहीं जा पाता है और कोने में बैठ जाता है। फिर मां पार्वती की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव वहां प्रकट होते हैं और देवी पार्वती से वरदान मांगने को कहते हैं। मां पार्वती कहती हैं कि उनको पहले की तरह गोरा रंग वापस मिल जाए। महादेव उनकी इच्छा पूरी करती हैं। आशीर्वाद मिलने ही देवी पार्वती नहाने चली जाती हैं। उनसे स्नान करते ही शरीर से एक अन्य देवी प्रकट होती हैं, जिनका नाम कौशिकी पड़ता है। नहाने के समय देवी पार्वती के शरीर से काला रंग निकल जाता है और पहले की तरह उनका रंग साफ हो जाता है। जिस वजह से मां पार्वती का नाम गौरी पड़ जाता है। जब देवी पार्वती की नजर शेर पर पड़ती है, जो उनको खाने के इंतजार में एक कोने में बैठा था।

तो मां पार्वती भगवान शिव के पास जाती हैं और उनसे वरदान मांगती हैं कि इस शेर ने उनको खाने के लिए सालों तक इंतजार किया है। जितना तप मैंने किया, उतना ही तब इस शेर ने भी किया है। इस वजह से आप इस शेर को वरदान के रूप में मेरी सवारी बना दीजिए। शिव मां पार्वती की इस बात से खुश हो जाते हैं और शेर को देवी पार्वती की सवारी बना देते हैं। तभी से देवी पार्वती का नाम शेरावाली और मां दुर्गा पड़ा।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

कंप्यूटर शिक्षा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम : बजरंगी प्रसाद यादव

साहिबगंज/तीनपहाड़ : राजमहल प्रखंड के तीनपहाड़ में स्थित विजार्ड टेक कंप्यूटर सेंटर का 16वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया।समारोह में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने बतौर अतिथि शिरकत की।इस अवसर पर सेंटर की ओर से कुल 125 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नेता बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि वर्तमान समय में कंप्यूटर शिक्षा का महत्व लगातार बढ़ रहा है। डिजिटल युग में कंप्यूटर का ज्ञान युवाओं के लिए बेहद आवश्यक है।स्थानीय स्तर पर विजार्ड टेक कंप्यूटर सेंटर द्वारा गुणवत्तापूर्ण कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करना सराहनीय पहल है।इससे क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को अपने घर के आसपास तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है।उन्होंने कहा कि कंप्यूटर शिक्षा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है,ऐसे में युवाओं के लिए कंप्यूटर एवं तकनीकी ज्ञान हासिल करना अनिवार्य हो गया है।तकनीकी शिक्षा के माध्यम से युवा रोजगार के नए अवसरों से जुड़ सकते हैं और अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं।बजरंगी प्रसाद यादव ने प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए निरंतर सीखने और नई तकनीकों से परिचित होने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी दक्षता भी आज के समय में सफलता की महत्वपूर्ण कुंजी है।समारोह के दौरान विजार्ड टेक कंप्यूटर सेंटर के डायरेक्टर गौतम कुमार एवं प्राचार्य उत्तम कुमार यादव सहित स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि मनोज यादव,कृष्ण कुमार शर्मा,सभी शिक्षकगण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण पर एक दिवसीय कार्यशाला

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश- सह- अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित लोक अदालत कक्ष में जिला स्तरीय मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलाम हैदर जिला न्यायाधीश सह अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-क्क्क श्री शिव करण जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत लोक अभियोजक नीतू आदि द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुलाम हैदर ने कहा कि मोटर दुर्घटना के मामलों में थाना प्रभारी और पुलिस पदाधिकारियों का यह कानूनी दायित्व है कि पीड़ित परिवार को समय पर उचित कारवाई करें जिससे पीड़ित को मुआवजा मिल सके । उन्होंने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के कागजातों की डीटीओ से जांच कराना अनिवार्य है तथा दुर्घटना की सूचना बीमा कंपनी को समय पर देना और आवश्यक प्रतिवेदन उपलब्ध कराना भी पुलिस की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि मुआवजा का मुख्य उद्देश्य पीड़ित परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करना और उनके जीवन यापन में सहयोग देना है।इस अवसर पर जिला न्यायाधीश सह अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-क्क्क शिव करण ने मोटर दुर्घटना कानूनों में हुए हालिया बदलावों की जानकारी देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना से संबंधित सभी कागजात 30 दिनों के भीतर न्यायालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। ऐसा नहीं होने पर न्यायालय को सूचित करना आवश्यक है। उन्होंने थाना प्रभारियों से अपेक्षा की कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ करें तथा यह संकल्प लें कि प्रत्येक पीड़ित परिवार को न्यायोचित मुआवजा दिलाना सुनिश्चित करेंगे।उन्होंने कहा कि पुलिस पदाधिकारियों एवं बीमा कंपनियों के समन्वय के बिना मुआवजा प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से पूरा करना संभव नहीं है।इसलिए सभी संबंधित पदाधिकारी अपनी भूमिका का निर्वहन कर्तव्यनिष्ठा के साथ करें।कार्यक्रम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार, परिवहन विभाग के राज हंस, नगर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक साहिबगंज सदर अमित कुमार गुप्ता,जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, मुफ्फसिल थाना प्रभारी नितेश पाण्डेय, तालझारी थाना प्रभारी अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे एलएडीसी, परिवहन विभाग के पदाधिकारी सहित पुलिस पदाधिकारीगण एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रेस्टोरेंट में विवाद के बाद स्टेशन पर युवक से मारपीट, अज्ञात पर प्राथमिकी

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के सकरोगढ़ स्थित विनोद कुमार के मकान में किराये पर रहने वाले अमित कुमार ने अज्ञात युवक के विरुद्ध मारपीट की शिकायत दर्ज करायी है। अमित कुमार ने पुलिस को बताया कि रेस्टोरेंट में खाना खाने के दौरान एक युवक से विवाद हुआ था। इसके बाद स्टेशन पर दोबारा मुलाकात होने पर उक्त युवक ने उसके साथ मारपीट की।अमित कुमार ने मारपीट से संबंधित फोटो भी पुलिस को उपलब्ध कराया है। नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि अमित कुमार के बयान पर कांड संख्या 170/26 दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

फरार आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाए इश्तिहार

साहिबगंज : मिजाचौकी थाना कांड संख्या 14/26 के फरार आरोपी के घर पुलिस ने न्यायालय से निर्गत इश्तिहार चस्पा किया। मिजाचौकी थाना पुलिस ने जिरवाबाड़ी थाना के सहयोग से जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के घोगी गांव निवासी धर्मेंद्र सिंह के घर पर इश्तिहार चस्पा किया।इस संबंध में मिजाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव ने बताया कि धर्मेंद्र सिंह के विरुद्ध न्यायालय से इश्तिहार निर्गत किया गया था। न्यायालय के आदेश के आलोक में पुलिस ने उसके घर पर इश्तिहार चस्पा कर इसकी तमिला की है।

तेतरिया पंचायत भवन में 12 दिवसीय सुअर पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

साहिबगंज : मंडरो प्रखंड मे भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज और जेएसएलपीएस पलाश के संयुक्त तत्वावधान में मंडरो प्रखंड के तेतरिया पंचायत भवन में 12 दिवसीय सुअर पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम का उद्घान आरसेटी निदेशक प्रदीप कुमार झा,बैंक ऑफ बड़ौदा कोरीखुटाबाड़ी शाखा के शाखा प्रबंधक प्रमोद कुमार,आजीविका सखी मंडल मंडरो के प्रखंड प्रबंधक ब्रह्मानंद महतो सीसी प्रमोद कुमार,आरसेटी के वरीय संकाय राजहंस कुमार संकाय उपेंद्र गोप तथा जेएसएलपीएस कलफ की अध्यक्ष शांति किस्कू व सबीना मुर्मू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सुअर पालन ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार एवं आय के सृजन का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।विज्ञानिक एवं आधुनिक तरीके से सुअर पालन करने से ग्रामीण परिवार अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।इस 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में आजीविका सखी मंडल,मंडरो की कुल 35 दीदियां भाग ले रही हैं।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सुअर पालन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जाएगी।

मुखिया से नक्सली बना था टीएसपीसी का मोस्ट वांटेड ब्रजेश गंझू

-भाई गणेश गंझू को बनाया था विधायक

-ब्रजेश गंझू की मौत के बाद अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा नक्सली संगठन टीएसपीसी

मेट्रो रेज संवाददाता

चतराः जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र के लुटू सोहावन गांव का रहने वाला टीएसपीसी सुप्रीमो ब्रजेश सिंह गंझू कभी अपने गांव की राजनीति में निर्विरोध मुखिया बनकर उभरा था। बाद में वही व्यक्ति झारखंड के कोयलांचल और जंगलों में सक्रिय एक कुख्यात उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) का सुप्रीमो बन गया।पुलिस के अनुसार, ब्रजेश पहले भाकपा माओवादी से जुड़ा था, लेकिन बाद में वर्चस्व और मतभेदों के चलते वर्ष 2004-05 के आसपास उसने अलग संगठन खड़ा किया। यही संगठन आगे चलकर टीएसपीसी के रूप में मजबूत हुआ। चतरा, पलामू, लातेहार, हजारीबाग, रामगढ़ और आसपास के इलाकों में संगठन की गतिविधियां बढ़ीं। ब्रजेश पर बीड़ी पत्ता कारोबार से जुड़े ठेकेदारों से लेकर कोयला परियोजनाओं की आउटसोर्सिंग कंपनियों, ट्रांसपोर्टरों और कारोबारियों से लेवी वसूली का नेटवर्क खड़ा करने के आरोप लगे।

ब्रजेश के कई नाम थे बृजेश, दुलारचंद, सरदार, रंजन और गोपाल सिंह भोक्ता। वर्ष 2010 में वह लावालौंग पंचायत से निर्विरोध मुखिया भी चुना गया था। यानी एक तरफ वह गांव की सरकार का प्रतिनिधि था, तो दूसरी ओर पुलिस रिकॉर्ड में उग्रवादी संगठन की कमान संभाल रहा था।

पुलिस जवानों की हत्या सहित 43 मामले हैं दर्जः चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि ब्रजेश के खिलाफ जिले के सिमरिया, टंडवा, लावालौंग, सदर, मयूरहंड, पत्थलगड्डा, गिद्धौर और पिपरवार थानों में हत्या, अपहरण, लेवी वसूली, आर्म्स एक्ट और यूएपीए समेत 43 मामले दर्ज थे। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2012 में उसके दस्ते ने दो पुलिस जवानों की हत्या कर उनके हथियार लूट लिए थे।वहीं, 2019 में दर्ज एक लेवी मामले में एक गवाह की हत्या का आरोप भी ब्रजेश पर लगा। कोयला ढुलाई करने वाले वाहनों में आगजनी और कारोबारियों से लेवी वसूली के जरिए संगठन ने चतरा और आसपास के कोयला क्षेत्रों में अपना प्रभाव कायम किया। टीएसपीसी और भाकपा माओवादी के बीच भी लंबे समय तक वर्चस्व की लड़ाई चलती रही। इस संघर्ष में दोनों पक्षों के उग्रवादियों के साथ ग्रामीण और अन्य लोग भी प्रभावित हुए।

2014 में भाई गणेश गंझू बना विधायकः ब्रजेश के उग्रवादी नेटवर्क के समानांतर उसके भाई गणेश गंझू का राजनीतिक सफर भी आगे बढ़ा। गणेश 2014 में झारखंड विकास मोर्चा के टिकट पर सिमरिया से विधायक निर्वाचित हुआ। बाद में भाजपा में शामिल हो गया।हालांकि, ब्रजेश की उग्रवादी गतिविधियों और परिवार की पृष्ठभूमि को लेकर राजनीतिक स्तर पर सवाल उठते रहे। 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने गणेश गंझू को टिकट नहीं दिया। दूसरी ओर, एनआईए की टेरर फंडिंग जांच में भी ब्रजेश का नाम सामने आया और वह एजेंसी की वांटेड सूची में शामिल रहा।

अब टीएसपीसी के भविष्य पर सवालः ब्रजेश गंझू पर झारखंड सरकार ने 25 लाख रुपए और एनआईए ने पांच लाख रुपए यानी कुल 30 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। एनआईए की टेरर फंडिंग जांच के दौरान उसकी गतिविधियां सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर थीं। एनकाउंटर में मारे जाने के बाद उसके पास से दो पिस्टल, जिंदा कारतूस और खोखे बरामद किए जाने की बात एटीएस ने कही है। मुठभेड़ में एक साथी के फरार होने की भी जानकारी सामने आई है।ब्रजेश की मौत ऐसे समय हुई है, जब सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई से झारखंड में टीएसपीसी समेत कई उग्रवादी संगठनों की गतिविधियां पहले ही कमजोर पड़ चुकी हैं। करीब दो दशक तक माओवादी प्रभाव को चुनौती देते हुए चतरा और कोयलांचल में अपना नेटवर्क चलाने वाले टीएसपीसी के सबसे बड़े चेहरे के मारे जाने के बाद अब संगठन के बचे हुए ढांचे और नेतृत्व को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

करम महोत्सव में झूमे साहिबगंज के कुर्मी समाज के लोग

पुरुलिया के कोड़ाडीह मैदान में दिखी झारखंडी संस्कृति की मांदर की थाप पर थिरके सैकड़ों लोग

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड प्रदेश अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष प्रेम लाल मंडल उर्फ मंटा मंडल के नेतृत्व में साहिबगंज जिले से सैकड़ों कुर्मी-महतो समाज के लोग पश्चिम बंगाल के पुरुलिया स्थित कोड़ाडीह मैदान में आयोजित करम महोत्सव में शामिल हुए।इस दौरान भाजपा के प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो,संजय पटेल, झूलन महतो समेत महासभा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।करम महोत्सव में पहुंचने पर साहिबगंज से पहुंचे लोगों ने झारखंडी लोक संस्कृति और परंपरा की अनूठी झलक देखी।मैदान में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए।मांदर की थाप और पारंपरिक गीत-संगीत के बीच लोग सामूहिक रूप से करम नृत्य करते नजर आए।रंग-बिरंगे परिधानों में सजे लोगों की सामूहिक प्रस्तुति ने पूरे आयोजन को आकर्षक बना दिया।महासभा के सदस्यों ने बताया कि करम पर्व झारखंड की लोक संस्कृति और सामाजिक एकजुटता से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है।ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी पारंपरिक संस्कृति लोकगीत लोकनृत्य और रीति-रिवाजों से जोड़ने का अवसर मिलता है।साहिबगंज से पहुंचे लोगों ने भी आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मांदर की थाप पर जमकर नृत्य किया और करम महोत्सव का आनंद उठाया।इस दौरान कोड़ाडीह मैदान में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी से पूरे परिसर में उत्सव का माहौल बना रहा। साहिबगंज से पहुंचे कुर्मी-महतो समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से आयोजन में भाग लेकर सामाजिक एकता और सांस्कृतिक जुड़ाव का संदेश भी दिया। मौके पर मौजूद ओमप्रकाश महतो,राजू महतो,और अन्य महतो परिवार मौजूद थे।

गंगापुल निर्माण में देरी को लेकर आजसू करेगा चरणबद्ध आंदोलन

साहिबगंज : केंद्र सरकार की बहुप्रतीक्षित साहिबगंज झारखंड से मनिहारी बिहार गंगा पुल निर्माण में लगातार हो रही देरी को लेकर आजसू पार्टी अब आंदोलन के मूड में नजर आ रही है।इस संबंध में आजसू जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय ने प्रेस कांफ्रेंस कर सरकार और कार्य एजेंसी पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है।जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय ने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2024 तक इस महत्वपूर्ण पुल के निर्माण को पूरा करने का वादा किया था ।लेकिन तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी पुल का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है।उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में लगी एजेंसी की कार्यशैली बेहद धीमी और लापरवाह है,जिसके कारण परियोजना लगातार पिछड़ती जा रही है।उन्होंने कहा कि यह पुल न केवल झारखंड और बिहार को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है,बल्कि इससे क्षेत्र के व्यापार,परिवहन और आम लोगों की आवाजाही में बड़ा बदलाव आएगा।इसके बावजूद संबंधित विभाग और एजेंसी की उदासीनता से आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।चतुरानंद पांडेय ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही निर्माण कार्य में तेजी नहीं लाई गई,तो आजसू पार्टी चुप नहीं बैठेगी।इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्राचार कर स्थिति से अवगत कराया जाएगा।इसके बाद भी यदि ठोस पहल नहीं होती है।तो पार्टी चरणबद्ध आंदोलन के तहत धरना-प्रदर्शन जनआंदोलन और केंद्रीय मंत्री का पुतला दहन जैसे कार्यक्रम करेगी।उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी हमेशा जनता के हितों के लिए संघर्ष करती रही है और इस मुद्दे पर भी पार्टी पूरी मजबूती से आंदोलन करेगी ताकि क्षेत्र के लोगों को जल्द से जल्द इस महत्वपूर्ण पुल का लाभ मिल सके।इस अवसर पर कृष्णा शर्मा राजीव कुमार,सोनू कुमार मिश्रा एवं रामप्रवेश यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हंटरगंज के कौलेश्वरी धाम पहुंचे प्रमंडलीय आयुक्त, टेका मत्था

बिजली-पानी की बदहाली पर दिखे सख्त, श्रद्धालुओं की सुविधाओं का लिया जायजा

-डीसी से फोन पर बात कर व्यवस्था शीघ्र दुरुस्त कराने को कहा

-कौलेश्वरी को इटखोरी-रजरप्पा और टाटा के जोड़ी मंदिर से जोड़कर पर्यटन सर्किट बनाने पर जोर

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड स्थित धार्मिक आस्था, प्राकृतिक खूबसूरती और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध मां कौलेश्वरी धाम को पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की कवायद के बीच रविवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त विजय गुप्ता और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव ललित मोहन शुक्ला सपरिवार कौलेश्वरी पर्वत पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने मां कौलेश्वरी के दरबार में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के बाद आयुक्त ने धार्मिक स्थल की व्यवस्थाओं और विकास की संभावनाओं का मौके पर जायजा लिया। इस दौरान पर्वत पर बिजली और पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने की स्थिति सामने आने पर आयुक्त ने इसे गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए।आयुक्त विजय गुप्ता ने कौलेश्वरी पर्वत स्थित मंदिर परिसर के साथ तालाब, भैरो बाबा मंदिर और नवनिर्मित गेस्ट हाउस का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध बिजली और पेयजल व्यवस्था की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान यह बात सामने आई कि पर्वत पर आने वाले श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में परेशानी का सामना करना पड़ता है। आयुक्त ने कहा कि धार्मिक और पर्यटन स्थल पर आने वाले लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।

डीसी से फोन पर की बात, शीघ्र व्यवस्था बहाल कराने के निर्देश

कौलेश्वरी पर्वत पर बिजली और पेयजल की समस्या को लेकर आयुक्त ने मौके से ही चतरा उपायुक्त से दूरभाष पर बातचीत की। उन्होंने पर्वत पर बिजली एवं पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था को शीघ्र दुरुस्त कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सुविधाओं को बेहतर बनाने का निर्देश दिया। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने वाले इस महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल पर बुनियादी सुविधाओं की कमी नहीं होनी चाहिए।

रोपवे स्थल का निरीक्षण, पर्यटन विकास पर जोर

निरीक्षण के क्रम में आयुक्त ने प्रस्तावित रोपवे स्थल का भी जायजा लिया। उन्होंने रोपवे को कौलेश्वरी धाम के पर्यटन विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजना बताया। उनका कहना था कि रोपवे जैसी सुविधा विकसित होने से पर्वत तक पहुंच आसान होगी और अधिक संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक यहां पहुंच सकेंगे।

आयुक्त विजय गुप्ता ने कौलेश्वरी पर्वत की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना करते हुए कहा कि यह क्षेत्र धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कौलेश्वरी धाम को इटखोरी, रजरप्पा और टाटा के जोड़ी मंदिर जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों से जोड़कर पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने की संभावना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एकीकृत पर्यटन सर्किट बनने से क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार तथा आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकता है।

धार्मिक आस्था के साथ विकास की संभावनाएं भी तलाशीं

अधिकारियों के दौरे को कौलेश्वरी धाम के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पूजा-अर्चना के साथ अधिकारियों ने स्थल की मौजूदा सुविधाओं, प्रस्तावित विकास योजनाओं और पर्यटन की संभावनाओं को करीब से देखा। इससे आने वाले समय में कौलेश्वरी पर्वत पर श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार और पर्यटन आधारभूत संरचना को मजबूत करने की उम्मीद जगी है।इस मौके पर कौलेश्वरी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सह एसडीएम मोहम्मद जहूर आलम, सचिव सह सीओ रितिक कुमार, बीडीओ निखिल गौरव कमान कच्छप,समिति सदस्य कौशलेन्द्र कुमार सिंह व अमरेंद्र केसरी, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। वेद प्रकाश, हंटरगंज थाना प्रभारी संदीप कुमार समेत संबंधित अधिकारी एवं अन्य लोग मौजूद थे।

एशियाई खेल: 10 मीटर एयर राइफल में हिमांशु ढिल्लों ने जीता रजत, रुद्रांक्ष ने साधा कांस्य पर निशाना

एजेंसी

आइची-नागोया : भारतीय निशानेबाज हिमांशु ढिल्लों और रुद्रांक्ष पाटिल ने सोमवार को 2026 एशियाई खेलों में पुरुष 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। चीन के शेंग लिहाओ ने करीबी मुकाबले में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

रुद्रांक्ष ने फाइनल में शानदार शुरूआत की।

पहली सीरीज में 52.8 अंक हासिल कर उन्होंने शुरूआती बढ़त बनाई और दूसरी सीरीज में 53.2 अंक के साथ अपनी बढ़त को 1.1 अंक तक पहुंचा दिया। हिमांशु भी लगातार पदक की दौड़ में बने रहे और कुछ समय के लिए दूसरे स्थान पर पहुंच गए। 12 शॉट के बाद रुद्रांक्ष 127.4 अंक के साथ शीर्ष पर थे, जबकि हिमांशु 126.6 और शेंग लिहाओ 126.3 अंक के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर थे।

मुकाबला मध्य चरण में भी बेहद करीबी रहा।

16 शॉट के बाद शेंग 168.8 अंक के साथ बढ़त पर पहुंच गए, जबकि रुद्रांक्ष और हिमांशु 168.6-168.6 अंक के साथ बराबरी पर थे। हिमांशु ने इसके बाद 10.9 का शानदार शॉट लगाकर रुद्रांक्ष से अंतर केवल 0.1 अंक कर दिया, लेकिन अगले शॉट में 9.8 अंक आने से वह तीसरे स्थान पर खिसक गए। हालांकि, उन्होंने 10.6 के शॉट के साथ वापसी की और पदक की दौड़ में बने रहे। 20 शॉट के बाद शेंग ने अपनी बढ़त एक अंक तक पहुंचा ली। रुद्रांक्ष 210.6 और हिमांशु 210.0 अंक के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर थे।

इसके बाद मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया। 22 शॉट के बाद रुद्रांक्ष 230.9 अंक के साथ बाहर हो गए और हिमांशु 231.0 अंक के साथ उनसे केवल 0.1 अंक आगे रहे। इससे पहले रुद्रांक्ष का 9.7 का शॉट उनके लिए महंगा साबित हुआ और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इसके बाद स्वर्ण पदक के लिए हिमांशु और शेंग के बीच मुकाबला हुआ। दोनों ने अंतिम शॉट में 10.6 अंक हासिल किए, लेकिन शेंग ने कुल 233.0 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। हिमांशु 231.0 अंक के साथ रजत पदक जीतने में सफल रहे। इस परिणाम के साथ भारत ने पुरुष 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत और कांस्य पदक के रूप में दोहरी सफलता हासिल की। इससे पहले रुद्रांक्ष, पार्थ माने और हिमांशु ढिल्लों की भारतीय टीम ने पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता था। भारत ने 1890.1 अंक हासिल किए थे, जबकि चीन ने 1899.0 अंकों के साथ स्वर्ण और दक्षिण कोरिया ने 1841.4 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता था। सॉफ्ट टेनिस में आध्या तिवारी और जय मीणा ने मिश्रित युगल के ग्रुप बी में कंबोडिया की वीवा चाओ और चानरोसेका खुन को 5-0 से हराकर अभियान शुरू किया। उन्होंने मंगोलिया के बुद न्यामदोरज और एंखखुसलेन गानबातर को भी हराया, लेकिन दक्षिण कोरिया के किम योन-ह्वा और जैक्यू पार्क से हार गए। इसके बावजूद भारतीय जोड़ी ग्रुप में दूसरे स्थान पर रही और राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई। तैराकी में श्रीहरि नटराज ने पुरुष 50 मीटर बैकस्ट्रोक के फाइनल में जगह बनाई, जबकि ऋषभ दास रिजर्व खिलाड़ी हैं। मणि आकाश और गितेश शाह पुरुष 50 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में जगह नहीं बना सके। धनुष सुरेश भी पुरुष 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक के फाइनल में नहीं पहुंच सके। वुशु में न्येमान वांगसू महिला चांगक्वान फाइनल में 15वें स्थान पर रहीं। टेबल टेनिस में भारतीय महिला टीम ने ग्रुप एफ के मुकाबले में पाकिस्तान को 3-0 से हराया।

40 रुपये तोला था सोना

तब इस हीरोइन की फीस थी 25000 रुपये

भारतीय सिनेमा में जब मर्दों का दबदबा था, तब एक हीरोइन पर फिल्ममेकर्स अपनी फिल्मों का आधा बजट लुटा देते थे. लोग उनकी निपुणता को देखते हुए उन्हें अष्टावधानी भी कहते थे. वे 1940-50 के दशक की सुपरस्टार थीं. उन्हें जिस फिल्म से भारी लोकप्रियता मिली, उसी के स्ट्रगलिंग असिस्टेंट डायरेक्टर के साथ भागकर शादी की. उन्होंने शादी के बाद अपने पति को डायरेक्टर-फिल्ममेकर के तौर पर लॉन्च भी किया. वे एकमात्र हीरोइन थीं, जो एमजीआर के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उन्हें 'मिस्टर रामचंद्र' कहकर बुलाती थीं.

बात सिनेमा के उस दौर की है जब 1 तोला सोना 40 रुपये में मिलता था. तब एक हीरोइन 25 हजार रुपये फीस लेती थीं, जो फिल्म के बजट का लगभग आधा होता था. लोग उन्हें अष्टावधानी भी कहते थे, क्योंकि वे सिनेमा की आठ कलाओं में निपुण थीं. वे गाने, नाचने, अभिनय, निर्देशन, लेखन सहित कई विधाओं में माहिर थी. भारत के पहले उप-राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन भी उनके काम के मुरीद थे. नई पीढ़ी शायद भानुमति रामकृष्ण को न जानती हो, मगर वे 40-50 के दशक की सुपरस्टार थीं. वे तेलुगू सिनेमा की पहली फीमेल सुपस्टार भी हैं. उन्होंने 1939 की फिल्म 'वर विक्रयम' से डेब्यू किया था. वे फिल्म 'कृष्ण प्रेम' से लोकप्रिय हुईं. फिल्म 'स्वर्गसीमा' ने उनके स्टारडम को और बढ़ाया. वे तमिल सिनेमा में पहली बार फिल्म 'राजा मुक्ति' में एमजीआर के साथ दिखी थीं. उन्होंने कुछ फिल्मों में बतौर म्यूजिक डायरेक्टर भी काम किया था. भानुमति रामकृष्ण ने पहली दफा 1953 की फिल्म 'चांदीरानी' डायरेक्ट की थी. कमाल की बात है कि उन्होंने इस फिल्म को प्रोड्यूस भी किया था, इसका संगीत भी बनाया था और इसके हिंदी, तेलुगू और तमिल वर्जन में डबल रोल भी निभाया था.

तुम मेरे हो:
ईशा मालवीय की बॉलीवुड में एंट्री गुरमीत चौधरी संग करेंगी रोमांस

'बिग बॉस 17' फेम ईशा मालवीय जल्द फिल्म 'तुम मेरे हो' के साथ बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। गुरुवार को मेकर्स ने उनकी इस हिंदी फिल्म के कई पोस्टर जारी किए। खास बात ये है कि इस मूवी में वह टीवी के पॉपुलर अभिनेता गुरमीत चौधरी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगी। गुरमीत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर शेयर किए हैं, जिसमें देखने को मिला कि दोनों रोमांस में खोए हुए नजर आ रहे हैं। पहले पोस्टर में दोनों लिपलॉक करते नजर आए और आगे के पोस्टर में भी दोनों का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला।

कब रिलीज होगी फिल्म 'तुम मेरे हो'?

फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। क्योंकि कई बार, प्यार में पड़ना आसान होता है, लेकिन इसके बाद जो होता है, वो कहानी है।' बता दें कि गुरमीत चौधरी ही ईशा को बॉलीवुड में लॉन्च कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है और यह रेवा क्रिएटिव हाउस और देबगुरु फिल्म्स के बैनर तले बनाई गई है। वहीं, फिल्म को आरती एस और देबिना बनर्जी ने प्रोड्यूस किया है। तरण आदर्श के मुताबिक, मूवी में लव स्टोरी के साथ-साथ एडवेंचर और एक्शन भी देखने को मिलेगा। ऐसे में अब ये देखना काफी दिलचस्प होगा कि ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी की केमिस्ट्री लोगों को पसंद आती है या नहीं।

श्रुति क्यों मांगती थीं पुरुषों को माहवारी होने की दुआ?

श्रुति हासन ने शूटिंग के दौरान माहवारी से जूझने के बारे में बात की है। उन्होंने वह किस्सा बताया जब उन्होंने पहली बार निर्देशक से माहवारी के बारे में बताया था। अभिनेत्री श्रुति हासन ने फिल्मों की शूटिंग के दौरान माहवारी के दर्द से निपटने के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने यह बातें सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर की। उन्होंने बताया कि जब एक को-स्टार ने घुटने की सर्जरी के दर्द का जिक्र किया, तो फिल्म की क्रू ने उसके हिसाब से काम किया। श्रुति ने यह भी कहा कि उन्होंने दुआ मांगी कि पुरुषों को भी माहवारी हो, ताकि इसे काम के कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया जा सके।

श्रुति ने क्या दुआ मांगी?

श्रुति और सोहा ने हार्मोन और माहवारी से जुड़ी गलतफहमियों के बारे में बात की। श्रुति ने कहा, 'इसका बस एक ही समाधान है और मैंने इसके लिए हजार बार दुआ की कि पुरुषों को भी माहवारी हो। फिर हमारे कॉन्ट्रैक्ट में पीरियड की छुट्टियां आ जाएंगी।' सोहा ने भी माना कि यह मददगार होगा लेकिन साथ ही यह भी कहा कि तब पुरुष इस बात पर मुकाबला करते कि उस महीने उन्हें कितना खून निकला। श्रुति ने बताया कि PCOS (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) की वजह से उन्हें माहवारी में बहुत दर्द होता था। हालांकि, उनका कहना है कि करियर की शुरुआत में वह सेट पर इस बारे में बात नहीं कर पाती थीं। वह कहती हैं कि इसे टैबू (वर्जित विषय) मानने से ज्यादा, कई लोग तो इस बारे में बात ही नहीं करना चाहते थे।

एक्ट्रेस Nehal ने Paras पर लगाए गंभीर आरोप

एक्ट्रेस नेहल वडोलिया इन दिनों एक्टर और पॉडकास्ट होस्ट पारस छाबड़ा को लेकर किए गए अपने एक पोस्ट के चलते सुर्खियों में हैं। दुनाली फेम नेहल ने पारस पर पैसों के लिए कथित तौर पर उनका गलत फायदा उठाने, झूठी ज्योतिषीय जानकारी देने और अनुचित तरीके से निजी संपर्क करने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है। पोस्ट में नेहल ने पारस को तंज कसते हुए आबरा छाबड़ा भी कहा। हाल ही में एक्ट्रेस नेहल ने अपने पोस्ट के जरिए पारस छाबड़ा पर कथित तौर पर गलत तरीके से संपर्क करने और उनके साथ अनुचित व्यव्हार करने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, इन आरोपों पर पारस छाबड़ा की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने है या नहीं, यह अलग से स्पष्ट किया जाना बाकी है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट कर एक्ट्रेस ने खोली पारस छाबड़ा की पोल : आबरा छाबड़ा बड़ा ज्योतिषी बनता फिरता है और सबकी कुंडली निकालता है। तुझे 101 पैसे दिए थे, याद है न ? जो तूने मेरे भविष्य को लेकर झूठा ज्ञान दिया था। आज तेरी कुंडली के बारे में बात करते हैं।

मैंने कहा कि मैं सिंगल नहीं हूं, तो बोलता है अकड़ दिखाती है, कितना पर डे है तेरा, आजकल वेब सीरीज़ कर रही है, मैंने बोला... तो बोलता है 'मैं 3 लाख पर डे चार्ज करता हूं, समझी', फिर धक्का मारना पड़ा और मैंने कहा कि मैं चिल्लाऊंगी, शोर मचाऊंगी तब छोड़ा, वरना होटल स्टाफ को भी याद होगा जो नीचे छोड़ने आए थे। इसके बाद नेहल ने कहा कि सिर्फ भगवान का नाम लेने से नहीं बदलता है, और उन्हें एक बेहतर इंसान बनने के लिए अपनी विचार प्रक्रिया को बदलने की जरूरत है।

प्यार करने के लिए अलग और घर ले जाने के लिए अलग लड़की चाहिए : इसके बाद एक्ट्रेस ने लिखा कि पारस ने उनसे कहा था कि वह प्यार करने के लिए एक लड़की चाहता है, उस पर पैसे खर्च करने के लिए दूसरी लड़की चाहता है, अपनी मां के लिए घर लाने के लिए तीसरी लड़की चाहता है और बाहर ले जाकर दुनिया को दिखाने के लिए एक अलग लड़की चाहता है। 'बेवकूफ। तेरे एक थाली के चट्टे-बट्टे, विशाल को भी समझा देना बहुत एटीट्यूड जड़ता है, पता नहीं तुम लोग खुद को समझते क्या हो ? अगर ऐसे ही होते हैं बड़े लोग, तो भाई अपनी जमीन पर बैठ के खाना खाने में ही सही है, कोई शौक नहीं है ऐसी जगह रहना। ये है रियलिटी शुरू। भरोसा मत करना इनपे बिना जंचे-पारखे। पहले मैं जरूर कामजोर थी, अभी नहीं हूं समझे।

एशियाई खेल: सुचिका तारियाल ने रचा इतिहास, महिला एमएमए में जीता कांस्य

एजेंसी

आइची-नागोया : भारतीय मिश्रित मार्शल आर्ट्स (एमएमए) खिलाड़ी सुचिका तारियाल ने सोमवार को इतिहास रचते हुए 2026 एशियाई खेलों में महिला पारंपरिक 60 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। वह एशियाई खेलों में भारत के लिए एमएमए में पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। सुचिका को सेमीफाइनल में सिंगापुर की हुई हून तेओ के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सेमीफाइनल में पहुंचने के कारण उनका कांस्य पदक पहले ही पक्का हो गया था। इस तरह भारत को एशियाई खेलों में एमएमए का पहला पदक मिला।

इससे पहले रविवार को सुचिका ने क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया की अल्तानचिमेग बैगलमा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। बैगलमा ने दूसरे और अंतिम राउंड में आक्रामक शुरूआत करते हुए मुकाबले में

वापसी की कोशिश की, लेकिन सुचिका ने शानदार बचाव करते हुए दबाव को झेला।

बैगलमा के लगातार हमले के बीच सुचिका ने महत्वपूर्ण रिवर्सल करते हुए उन्हें जमीन पर गिराया और राउंड के अंत तक नियंत्रण बनाए रखा। उनके इस प्रदर्शन ने उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचाया और भारत के लिए एमएमए में पदक सुनिश्चित किया।

इस बीच, सॉफ्ट टेनिस में आध्या तिवारी और जय मीणा ने मिश्रित युगल के ग्रुप बी अभियान की शुरूआत कंबोडिया की वीवा चाओ और चानरोसेका खुन को 5-0 से हराकर की। इसके बाद उन्होंने मंगोलिया के बुद न्यामदोरज और एंखखुसलेन गानबातर को भी हराया। ग्रुप बी में उनका दक्षिण कोरिया के किम योन-ह्वा और जैक्यू पार्क के खिलाफ मुकाबला भी निर्धारित था।

तैराकी में श्रीहरि नटराज ने पुरुष 50 मीटर बैकस्ट्रोक के फाइनल में जगह बनाई, जबकि ऋषभ दास रिजर्व में हैं। मणि आकाश और गितेश शाह पुरुष 50 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में जगह नहीं बना सके। धनुष सुरेश भी पुरुष 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक के फाइनल में नहीं पहुंच सके। वुशु में न्येमान वांगसू महिला चांगक्वान फाइनल में 15वें स्थान पर रहीं। टेबल टेनिस में भारतीय महिला टीम ने ग्रुप एफ के मुकाबले में पाकिस्तान को 3-0 से हराया।

मराठी फिल्म 'गोंधल' ने मारी बाजी

99वें ऑस्कर अवॉर्ड्स में भारत का करेगी प्रतिनिधित्व

मराठी भाषा की फिल्म 'गोंधल' को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 99वें एकेडमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर) के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुना है। इसके साथ ही फिल्म को

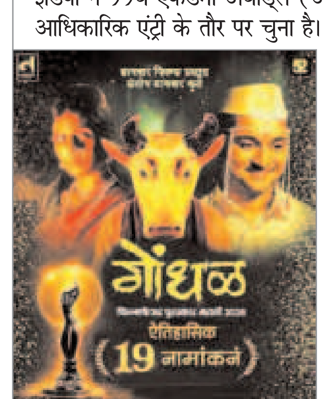

बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। इसकी फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को मुंबई में आधिकारिक घोषणा की। इस साल भारत की ओर से ऑस्कर एंट्री के लिए कुल 33 फिल्मों के बीच मुकाबला था। जूरी ने निर्देशक संतोष दवाखर की फिल्म 'गोंधल' को भारत की ओर से भेजने का फैसला किया।मराठी फिल्म 'गोंधल' ने मारी बाजी, 99वें ऑस्कर अवॉर्ड्स में भारत का करेगी प्रतिनिधित्व

मराठी भाषा की फिल्म 'गोंधल' को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 99वें एकेडमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर) के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुना है। इसके साथ ही फिल्म को बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। इसकी फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को मुंबई में आधिकारिक घोषणा की। इस साल भारत की ओर से ऑस्कर एंट्री के लिए कुल 33 फिल्मों के बीच मुकाबला था। जूरी ने निर्देशक संतोष दवाखर की फिल्म 'गोंधल' को भारत की ओर से भेजने का फैसला किया।

एशियाई खेल: पीटी उषा ने नामीबिया ओलंपिक समिति की सीईओ से की मुलाकात

एजेंसी

आइची-नागोया : भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने सोमवार को नामीबिया राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंरी पार्कर से मुलाकात की। दोनों ने 2026 एशियाई खेलों के दौरान भारत और नामीबिया के बीच खेल संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

इस बीच, सॉफ्ट टेनिस में आध्या तिवारी और जय मीणा की मिश्रित युगल जोड़ी ने एशियाई खेलों के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने ग्रुप बी में अपने अभियान की शुरूआत कंबोडिया की वीवा चाओ और चानरोसेका खुन को 5-0 से हराकर की। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला 4-1, 4-0, 4-2, 4-1, 4-2 के सेट स्कोर से जीता। इसके बाद आध्या और जय ने मंगोलिया के बुद न्यामदोरज और एंखखुसलेन गानबातर को भी 5-0 से हराया। इस मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने 4-2, 4-1, 4-1, 4-0, 5-3 के सेट स्कोर से जीत दर्ज की।

ग्रुप चरण के अपने अंतिम मुकाबले में भारतीय जोड़ी को दक्षिण कोरिया के खिलाफ 1-5 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद दो जीत के आधार पर भारत ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहा और राउंड ऑफ 16 में जगह बनाने में सफल रहा।

ईरान ने अमेरिका का इरादा भांप दी धमकी, यमन में लड़ाई तेज, ट्रंप तैयार हो सकते हैं पेजेश्कियान से मिलने को

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन : ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका उस पर हमला करने की योजना बना रहा है। तेहरान ने चेतावनी दी है कि अगर वाशिंगटन ऐसा करता है तो वह पूरी ताकत के साथ जवाब देगा। उधर, यमन में लड़ाई तेज हो गई है। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप न्यूयॉर्क में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से मिलने को तैयार हो सकते हैं। ईरान के मुख्य सैन्य कमांड खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने कड़े शब्दों में कहा कि अगर अमेरिका और मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सहयोगी देश कोई गलती करते हैं, तो उन्हें घातक हमलों का सामना करना पड़ेगा। अल जजीरा, सीबीएस न्यूज और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके सामने युद्ध के संबंध में केवल तीन ही विकल्प हैं। पहला- ईरान को पूरी तरह खत्म कर देना। दूसरा उसे आर्थिक रूप से बरबाद करना। तीसरा ईरान से कोई समझौता करना। इस पर कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने खाड़ी क्षेत्र को एक ऐसे ढांचे की जरूरत है जिसमें ₹संप्रभुता का सम्मान हो। कोई भी देश दूसरे के लिए खतरा न बने। इस बीच यमन के अल-जौफ प्रांत में चार लोगों के मारे जाने की खबर है। प्रांत में हूती विद्रोहियों और सऊदी-समर्थित बलों के बीच लड़ाई तेज हो गई है। सरकारी बल कई मोर्चों पर सैन्य अभियान चला रहे हैं। ये मोर्चे मुख्य रूप से उत्तरी और पश्चिमी इलाकों में फैले हुए हैं। सबसे अहम और भीषण मोर्चा पश्चिमी तट का है। यह ताइज के पश्चिमी

ग्रामीण इलाकों से लेकर लाहज तक फैली पर्वत श्रृंखला के साथ-साथ है। सरकारी बल उन इलाकों में हूती विद्रोहियों के साथ कड़ा संघर्ष कर रहे हैं। अंदरूनी इलाकों में किसी भी पक्ष को कोई खास कामयाबी नहीं मिल रही है। और किसी भी सेना की बढ़त के बारे में बात करना मुश्किल है।

हूती प्रवक्ता याह्या सरी का कहना है कि सऊदी वायु सेना ने पिछले 24 घंटों में पूरे यमन में 28 हवाई हमले किए हैं। सरी ने कहा कि इन हमलों में ताइज, अल-जौफ और मारिब प्रांतों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि हाल ही में तनाव बढ़ने के बाद से सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कम से कम 760 हवाई हमले किए हैं। इस घटनाक्रम पर अमेरिकी रिपब्लिकन रणनीतिकार, व्हाइट हाउस व राष्ट्रीय सुरक्षा विभाग के पूर्व अधिकारी मार्क फिफल का कहना है कि मध्यस्थ कतर और पाकिस्तान की कोशिश के अलावा चीन तेहरान और वाशिंगटन के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, ₹आने वाले हफ्ते में अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच होने वाली बैठक महत्वपूर्ण हो सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से मिलने के लिए तैयार हो सकते हैं। पेजेश्कियान के इस न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने की उम्मीद है। मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में तनाव बढ़ने की अमेरिकी चेतावनी के बीच सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने रविवार को काहिरा की खास यात्रा के दौरान मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात की। सीसी के ऑफिस ने बताया कि इस बैठक में मिस्र के खुफिया प्रमुख हसन रशाद भी शामिल हुए। बैठक में ईरान, गाजा पट्टी और सूडान में चल रहे युद्ध के साथ-साथ खाड़ी देशों पर हमलों और समुद्री सुरक्षा के लिए खतरों पर चर्चा की गई।

अमेरिकी विदेश विभाग ने शनिवार को अमेरिकियों को संघर्ष क्षेत्र की यात्रा न करने की चेतावनी दी। चेतावनी में कहा गया कि सऊदी अरब और यमन के हूतियों के बीच संघर्ष तेज हो गया है। विभाग ने चेतावनी दी कि इस सैन्य संघर्ष के तेजी से बढ़ने की आशंका है। रैटक्लिफ की यह यात्रा सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की काहिरा में सीसी से मुलाकात के कुछ दिनों बाद हुई। दोनों नेताओं ने बाब अल-मं

नमो सेवा—अनकही कहानियां के तहत होंगे नाट्य मंचन

एजेंसी

मीरजापुर : भारतीय जनता पार्टी की ओर से सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में नमो सेवा–अनकही कहानियांह्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज के नेतृत्व में 21 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रस्तावित नाट्य मंचनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा को रंगमंच के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि नाट्य प्रस्तुति में गुजरात के मुख्यमंत्री के कार्यकाल से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में उनकी राजनीतिक यात्रा से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को संवाद, अभिनय और संगीत के माध्यम से मंचित किया जाएगा। कार्यक्रम के जरिए सेवा, जनकल्याण और सुशासन से जुड़े विषयों को भी प्रस्तुत करने की योजना है। अभियान के तहत प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में 30 नाट्य मंचन कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए स्कूल, कॉलेज, पंचायत, सामुदायिक केंद्रों और अन्य सार्वजनिक स्थलों को संभावित आयोजन स्थल के रूप में रखा गया है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं की मौजूदगी में जानकारी साझा की गई। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष बालेन्दुमणि त्रिपाठी, हेमंत, चिंतामणि मौर्या, उदयभान तिवारी, जिला महामंत्री डॉ. सीएल बिंद, स्वामीनाथ सिंह, वीरेंद्र कुमार कोल, रोहित त्रिपाठी, पूनम चौरसिया, जिला मीडिया प्रभारी पं. भावेश शर्मा, अमित कुमार सिंह, आनंद मैनी, राम शिरोमणि मौर्य, मनोज दूबे, विजय शक्ति दूबे और शुभम जायसवाल समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विकसित उत्तर प्रदेश के सपने को साकार करने के लिए युवा सक्रिय भागीदारी करें : योगी आदित्यनाथ

–मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेशवासियों को वढकळर को लेकर लिखी पाती

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा में होने जा रहे इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर प्रदेशवासियों को पाती लिखी है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का चौथा संस्करण 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा है कि अपने वर्ष 2023 में शुरू हुआ यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो, प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक मंच देने की पहल है। प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनी तो रोजगार सृजन सबसे पहली प्राथमिकता हुई। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ओडीओपी और एमएसएमई के माध्यम से चार करोड़ से अधिक रोजगार सृजित हुए। एक जनपद-एक उत्पाद जैसी पहल की सफलता से प्रेरित होकर नई पहल ओडीओसी शुरू किया गया। उत्तर प्रदेश को बीमारू प्रदेश की छवि से बाहर निकालकर उत्सव प्रदेश बनाना बड़ी चुनौती थी लेकिन किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्यात में हमारी दो लाख करोड़ से अधिक की भागीदारी है।आज यूपी की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन, निवेश का लक्ष्य 15 लाख करोड़ पार है। यूपी में देश विदेश से लोग निवेश करना चाहते है।यूपी में निवेश बढ़ने से रोजगार के नए अवसर बनते हैं, युवाओं को लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो स्थानीय सामर्थ्य को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण मंच है। युवाओं, विद्यार्थियों, नवोदित और भावी उद्यमियों से ट्रेड शो का लाभ उठाने की अपील है। योगी ने कहा कि नए संपर्क, नए बाजार और अपनी प्रतिभा के अनुरूप अवसर तलाशें।उद्यमिता के प्रति जागरूकता बढ़ाकर आसपास उपलब्ध अवसरों को पहचानने का समय है। आपके प्रयासों से स्थानीय सामर्थ्य वैश्विक बाजार तक पहुंचेगा। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश के सपने को साकार करने के लिए युवा से सक्रिय भागीदारी करें।

मध्य प्रदेश में 24 सितंबर से मौसम का नया सिस्टम होगा सक्रिय, 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल : मानसून की विदाई से पहले मध्यप्रदेश में एक बार फिर बारिश का दौर जोर पकड़ सकता है। नए सिस्टम के असर से 24 सितंबर से प्रदेश के कई हिस्सों में तेज बारिश होने की संभावना है। इससे पहले रिमझिम बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। प्रदेश में अब तक औसतन 33.9 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य कोटे का करीब 91 प्रतिशत है।

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बन रहा सिस्टम मध्यप्रदेश के मौसम को प्रभावित करेगा। शनिवार तक निम्न दाब क्षेत्र उत्तर अंडमान सागर और आसपास के क्षेत्र में था। रविवार को यह आगे बढ़ा और इसके पश्चिम-उत्तर दिशा में आगे बढ़ने के साथ धीरे-धीरे मजबूत होने का अनुमान है। इसके 21 सितंबर को मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर डिप्रेशन और 22 सितंबर को डीप डिप्रेशन में बदलने की संभावना है।

23 सितंबर की सुबह से सिस्टम का असर ज्यादा सक्रिय हो सकता है। इसके बाद मध्यप्रदेश में बारिश का नया दौर शुरू होने की संभावना है। 24 सितंबर से कई जिलों में बारिश की तीव्रता बढ़ेगी। इस दिन छतरपुर, सतना, दमोह, डिंडौरी, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नर्मदापुरम, बैतूल और हरदा में भारी बारिश की चेतावनी जारी

की गई है। मानसून की विदाई से पहले इसे प्रदेश में बारिश का आखिरी बड़ा दौर माना जा रहा है।

प्रदेश के पूर्वी हिस्से में बारिश की स्थिति पिछले कुछ दिनों में सुधरी है। जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में कुल बारिश सामान्य से करीब 1 प्रतिशत कम है। बालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडौरी, दमोह, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, मंडला, रीवा, सागर और सिवनी में सामान्य से 5 प्रतिशत से 24 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज हुई है। हालांकि पिछले एक सप्ताह में इन जिलों की स्थिति में सुधार आया है। रविवार तक पूर्वी हिस्से की बारिश का आंकड़ा करीब 2 प्रतिशत माइनस में था।

पश्चिमी मध्यप्रदेश में बारिश की कमी अभी ज्यादा है। आलीराजपुर, अशोकनगर, बैतूल, देवास, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, मंदसौर, मुरैना, नर्मदापुरम, नीमच, बड़वानी, रायसेन, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, उज्जैन और विदिशा में सामान्य से 5 प्रतिशत से 49 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है। इन इलाकों में नए सिस्टम से होने वाली बारिश महत्वपूर्ण हो सकती है, क्योंकि मानसून का सीजन अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। प्रदेश के 23 जिलों में अब तक सामान्य से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इनमें अनूपपुर, छतरपुर, मैहर, मऊगंज, निवाड़ी, पन्ना, सतना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उमरिया, आगर-मालवा, भिंड, भोपाल, बुरहानपुर, दतिया, गुना, ग्वालियर, खरगोन, राजगढ़, श्योपुर और शिवपुरी शामिल हैं।

कुल मिलाकर प्रदेश में अब तक 33.9 इंच बारिश हो चुकी है। सामान्य बारिश के मुकाबले यह करीब 91 प्रतिशत है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एशियाई बाजार में भी आज तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,650.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 104.25 अंक यानी 0.39 प्रतिशत उछल कर 26,522.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 169.53 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ

51,852.17 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करते रहे। एफटीएसई इंडेक्स 156.66 अंक यानी 1.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,659.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 121.91 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,065.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 412.65 अंक यानी 1.63 प्रतिशत लुढ़क कर 25,304.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत टूट कर 6,413.75 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,395 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.23 प्रतिशत उछल कर 5,669.06 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 124.78 अंक यानी 1.81 प्रतिशत की उछाल के साथ 7,019.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निक्केई इंडेक्स की चाल में भी आज जोरदार तेजी दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 882.70 अंक यानी 1.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65,018.95 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 391.77 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 47,572.52 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,933.37 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 123.22 अंक यानी 0.50 प्रतिशत उछल कर 24,874 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,592 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

चंद्रपुर में इसरो के उन्नत रडार अनुसंधान केंद्र की आज आधारशिला रखेंगे मुख्यमंत्री डॉ. सरमा

एजेंसी

गुवाहाटी : असम के चंद्रपुर में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एडवांस्ड रडार रिसर्च सेंटर की आधारशिला सोमवार को रखी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केंद्र इसरो के नेटवर्क फॉर स्पेस ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग एंड एनालिसिस (नेत्र) कार्यक्रम का हिस्सा होगा। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष में मौजूद वस्तुओं की निगरानी और ट्रैकिंग की क्षमता को मजबूत करना तथा भारत की महत्वपूर्ण अंतरिक्ष परिसंपत्तियों की सुरक्षा को बढ़ाना है। डॉ. सरमा ने कहा, ह्लआज हम असम के चंद्रपुर में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एडवांस्ड रडार रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखेंगे।

इसरो ने इस परियोजना के लिए चंद्रपुर में 67 एकड़ भूमि चिन्हित की है। संगठन की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भूमि हस्तांतरण नवंबर 2023 में पूरा हुआ था, जबकि अंतिम पंजीकरण 7 नवंबर, 2025 को किया गया। प्रोजेक्ट नेत्र के तहत अंतरिक्ष में बढ़ती गतिविधियों और वस्तुओं की निगरानी के लिए रडार, ऑप्टिकल टेलीस्कोप सुविधा और केंद्रीय नियंत्रण केंद्र जैसे प्रमुख ढांचे विकसित किए जा रहे हैं। यह प्रणाली अंतरिक्ष वस्तुओं की ट्रैकिंग, उनकी कक्षा का निर्धारण, टक्कर से बचाव संबंधी चेतावनी तथा उपग्रहों और रॉकेट के हिस्सों के पुनःप्रवेश की निगरानी में मदद करेगी।

न्यूज IN ब्रीफ

मंत्री दिलीप घोष ने सिलीगुड़ी में कार्यकताओं के साथ देखी 'हनुमान अंश'

सिलीगुड़ी : प्रशासनिक बैठकों और पार्टी कार्यक्रमों की व्यस्तता के बीच पश्चिम बंगाल के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष रविवार रात अलग अंदाज में नजर आए। सूत्रों के अनुसार, दिलीप घोष शनिवार से सिलीगुड़ी में हैं। शनिवार को उन्होंने उत्तरकन्या में आयोजित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया था। इसके बाद रविवार को उन्होंने सिलीगुड़ी और कूचबिहार में कई कार्यक्रमों में भाग लिया। उत्तर बंगाल में महत्वपूर्ण बैठक के बाद वह सीधे सेवक रोड स्थित एक शॉपिंग मॉल के सिनेमा हॉल पहुंचे और कार्यकताओं के साथ फिल्म 'हनुमान अंश' देखी। इस दौरान उनके साथ गोरखा जनमुक्ति मोर्चा सुप्रीमो विमल गुरुंग भी मौजूद रहे। बाद में उन्होंने सिलीगुड़ी के स्टेट गेस्ट हाउस में एक महत्वपूर्ण आंतरिक बैठक भी किया। इसमें लोक निर्माण मंत्री अजय कुमार पद्मा, मालदा उत्तर के सांसद खगेन मुर्मू समेत सिलीगुड़ी संगठनात्मक जिला भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक खत्म होने के बाद दिलीप घोष हॉल में बैठकर ह्यहनुमान अंशह्न फिल्म देखी। राजनीतिक गतिविधियों से अलग मंत्री को इस अंदाज में देखकर सिनेमा हॉल में मौजूद दर्शकों के बीच भी उत्सुकता देखी गई।

गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे, गणेश विसर्जन को लेकर घाटों पर बढ़ाई सुरक्षा

कानपुर : उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर में गंगा का जलस्तर सोमवार को खतरे और चेतावनी बिंदु से नीचे पहुंच गया। कानपुर बैराज के अपस्ट्रीम में जलस्तर 113.58 मीटर और डाउनस्ट्रीम में 112.89 मीटर दर्ज किया गया। गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू होने के चलते घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने दिए। शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर 111.73 मीटर दर्ज किया गया। कानपुर बैराज पर चेतावनी स्तर 114 और खतरे का निशान 115 मीटर है, जबकि शुक्लागंज में चेतावनी स्तर 113 और खतरे का निशान 114 मीटर निर्धारित है। बैराज से 1,87,750 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया। वहीं हरिद्वार बैराज से 59,403 और नरौरा बैराज से 31,900 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। गणेश विसर्जन को देखते हुए शहर के प्रमुख घाटों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। घाटों पर भीड़ को नियंत्रित करने के साथ श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गई है। पुलिसकर्मियों के अलावा गोताखोरों और नावों की व्यवस्था भी रखी गई है। अधिकारियों को घाटों पर लगातार निगरानी रखने और किसी भी स्थिति में तत्काल मदद पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की ओर से घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ साफ-सफाई और प्रकाश की व्यवस्था पर भी नजर रखी जा रही है। विसर्जन के दौरान नदी में बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिसकर्मियों को लगातार गश्त करने के निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं से निर्धारित स्थानों पर ही प्रतिमाओं का विसर्जन करने और सुरक्षा व्यवस्था का पालन करने की अपील की गई है।

हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत

अमेठी : उत्तर प्रदेश के अमेठी में घर से करीब 500 मीटर दूर बाईपास के किनारे कटीली झाड़ियां काटते समय युवक हाईटेंशन विद्युत तार की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं ग्रामीणों में विद्युत विभाग के प्रति आक्रोश है। अमेठी कोतवाली क्षेत्र के खेरौना गांव निवासी विद्याशंकर प्रजापति (35) रविवार शाम करीब पांच बजे कुल्हाड़ी लेकर खेत के किनारे बाड़ लगाने के लिए कटीली झाड़ियां काटने निकला था। बताया गया कि वह आवारा पशुओं से फसल की सुरक्षा के लिए झाड़ियां एकत्र कर रहा था। इसी दौरान बाईपास के किनारे करीब पांच फीट की ऊंचाई से गुजर रहे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। सोमवार को तलाश करते हुए परिजन सड़क किनारे पहुंचे तो युवक का शव पड़ा मिला। क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि प्रथम दृष्टया पेड़ की हरी डाल के विद्युत तार के संपर्क में आने से हादसा होना प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल-चीन सीमा पर पांच हिमतालों का होगा तकनीकी अध्ययन, प्राकृतिक आपदा के खतरे को कम करने पर बनी सहमति

काठमांडू : नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में स्थित संभावित खतरनाक हिमतालों से होने वाले जोखिम को कम करने के लिए चीन के भू-भाग में मौजूद पांच हिमतालों का तकनीकी अध्ययन कराने पर दोनों देशों के स्थानीय अधिकारियों के बीच सहमति बनी है। चीन के ताक्लाकोट में हाल ही में हुई बैठक में हिमतालों से नेपाल की ओर उत्पन्न होने वाले संभावित खतरे, सीमा प्रबंधन, व्यापार और बुनियादी ढांचे समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। हुम्ला के प्रमुख जिला अधिकारी भोला नाथ गुरागाईं के अनुसार, दोनों पक्षों ने चीनी हिमालयी क्षेत्र में स्थित हिमतालों की स्थिति का तकनीकी टीम के माध्यम से अध्ययन कराने के लिए अपने-अपने संघीय सरकारों के समक्ष पहल करने पर सहमति जताई। उन्होंने बताया कि संभावित हिमताल विस्फोट (जीएलओएफ) या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुम्ला के हिल्सा, किट सीमा क्षेत्रों में नुकसान हो सकता है। इसलिए हिमतालों की स्थिति, उनमें मौजूद पानी की मात्रा, संभावित खतरे और उससे होने वाले प्रभाव का तकनीकी अध्ययन जरूरी है। रसुवा में भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से भारी नुकसान के बाद चीन की ओर से भी हिमतालों और प्राकृतिक आपदा के जोखिम को लेकर चिंता जताई गई और इसी सिलसिले में यह बैठक आयोजित की गई। ताक्लाकोट के स्थानीय अधिकारियों की पहल पर हुई बैठक में नेपाल की ओर से चीनी भू-भाग में स्थित राक्षस ताल, मानसरोवर, गोंजुका, आबुका और सिरिमाल समेत विभिन्न झीलों के बारे में जानकारी साझा की गई। प्रमुख जिला अधिकारी गुरागाईं के अनुसार, हिमतालों की स्थिति की नियमित जानकारी हासिल करने के लिए सैटेलाइट तकनीक के इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा हिमपात और मौसम संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा खतरे की स्थिति में समय रहते एक-दूसरे को जानकारी देने के लिए प्रणाली विकसित करने की जरूरत पर भी सहमति बनी। बैठक में नेपाल ने सीमा स्तंभों की स्थिति, सीमा पास, कृषि एवं पशु उत्पादों के निर्यात, व्यापार मेले, हिल्सा स्थित मितेरी पुल के संचालन और हिल्सा-सिमकोट सड़क निर्माण जैसे मुद्दे भी उठाए। नेपाल की ओर से तीन सीमा स्तंभों की मरम्मत का मुद्दा भी चीन के समक्ष रखा गया। गुरागाईं के मुताबिक सीमा स्तंभ संख्या 6 के 2 नेपाल की ओर तथा 7 के 1 और 2 चीन की ओर स्थित हैं। इनमें से कुछ सीमा स्तंभों की मरम्मत की आवश्यकता बताई गई है। सीमा क्षेत्र से आने वाले खाद्य पदार्थों और अन्य वस्तुओं की गुणवत्ता जांच के लिए क्वारंटीन व्यवस्था करने पर भी चर्चा हुई। प्रमुख जिला अधिकारी ने बताया कि सीमा पास की प्रक्रिया को और व्यवस्थित कर भविष्य में इसे डिजिटल प्रणाली में बदला जा सकता है। इस पर चीनी पक्ष ने भी सकारात्मक रुख व्यक्त किया।

न्यूज IN ब्रीफ

ब्रजेश गंझू के खात्मे के बाद टीएसपीसी में शशिकांत का दबदबा

मेदिनीनगर : वाराणसी में टीएसपीसी सुप्रीमो ब्रजेश गंझू के मारे जाने के बाद प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) को बड़ा झटका लगा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अब पलामू के मनातू थाना क्षेत्र के केदल गांव निवासी 10 लाख रुपये का इनामी जोनल कमांडर शशिकांत गंझू संगठन में प्रमुख भूमिका में सामने आया है। वह एनआईए के मामलों में भी वांटेड बताया जाता है।

शशिकांत का प्रभाव क्षेत्र मुख्य रूप से पलामू और चतरा रहा है। उसके खिलाफ पलामू, गढ़वा, लातेहार, चतरा और हजारीबाग समेत उत्तर प्रदेश में 50 से अधिक मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस सूत्रों ने दी है। वह वर्ष 2000 के दशक में माओवादी संगठन से जुड़ा था और बाद में ब्रजेश गंझू के संपर्क में आकर टीएसपीसी में शामिल हुआ।

पुलिस के अनुसार, शशिकांत अत्याधुनिक हथियारों से लैस रहता है और वर्ष 2010 के बाद पुलिस के साथ दो दर्जन से अधिक मुठभेड़ों में बच निकल चुका है। सितंबर 2025 में मनातू के केदल गांव में हुई मुठभेड़ में भी वह बच गया था। उस मुठभेड़ में हैदरनगर थाना क्षेत्र के दो पुलिस जवान संतन मेहता और सुनील राम शहीद हुए थे।

रांची में 26-27 सितंबर को होगा ज्ञान केंद्र प्रांतीय अधिवेशन

मेदिनीनगर : लोकव्यवस्था जागरण अभियान के अंतर्गत ज्ञान केंद्र प्रांतीय अधिवेशन का आयोजन आगामी 26 एवं 27 सितंबर 2026 को सप्तऋषि सेवा सदन तुपुदाना रांची में किया जा रहा है। दो दिवसीय इस अधिवेशन में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के सक्रिय कार्यकताओं, सामाजिक कार्यकताओं, बौद्धिक वर्ग तथा ज्ञान केंद्रों से जुड़े प्रतिनिधियों की सहभागिता होगी।

अधिवेशन का उद्देश्य समाज की स्वशासी शक्ति के जागरण, स्थानीय स्तर पर अध्ययन एवं संवाद की व्यवस्था विकसित करने तथा समाज के बीच से उभर रहे नेतृत्व को वैचारिक मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की दिशा में आगामी कार्ययोजना तैयार करना है।

अधिवेशन में ज्ञान केंद्रों के विस्तार, अध्ययन मंडलों के गठन, ग्राम स्तर पर संवाद एवं मार्गदर्शन की परंपरा के पुनर्जागरण तथा व्यापक जनसंपर्क अभियान को व्यवस्थित रूप देने पर विशेष चर्चा होगी। चारों राज्यों के अनुभवों और स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर आगामी चरण की कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

अधिवेशन के संबंध में मीडिया को विस्तृत जानकारी देने के लिए 24 सितंबर 2026 को रांची में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेरठ के वरिष्ठ विचारक नरेन्द्र सिंह जी तथा पलामू के गणेश रवि जी उपस्थित रहेंगे। दोनों साथी लोकव्यवस्था जागरण अभियान के राष्ट्रीय स्तर पर संचालन से जुड़े हुए हैं। गणेश रवि जी रांची अधिवेशन के आयोजक मंडल के पदाधिकारी भी हैं।

आयोजकों ने रांची एवं झारखंड के मीडिया प्रतिनिधियों से प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित होकर अभियान के उद्देश्य, अधिवेशन की रूपरेखा तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया है।

समाज की स्वशासी शक्ति के पुनर्जागरण पर जोर

लोकव्यवस्था जागरण अभियान का मूल उद्देश्य समाज की उन स्वशासी शक्तियों को पुनः जागृत करना है, जिनके माध्यम से समाज अपने जीवन की अनेक व्यवस्थाओं का संचालन स्वयं करता रहा है। अभियान के अंतर्गत ज्ञान केंद्रों को अध्ययन, वैचारिक संवाद तथा उभरते सामाजिक नेतृत्व के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण के केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है।

रांची अधिवेशन इसी दिशा में चार राज्यों के कार्यकताओं और सहयोगियों को एक साझा मंच पर लाकर आगामी चरण की ठोस कार्ययोजना तैयार करने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

चापड़ दिखा बिनोद बिहारी चौक से 17 खस्सी लूट ले गए बदमाश

धनबाद : नावाडीह स्थित बिनोद बिहारी चौक के पास शनिवार की देर रात चापड़ का भय दिखा कर एक मीट दुकान से बदमाशों ने 17 खस्सियों को लूट लिया। मीट दुकान पर सो रहे दो कर्मियों को हथियार के दम पर बंधक बनाया और पिकअप वैन में लाद कर सभी खस्सी अपराधी ले गए। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। धनबाद थाना की पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की धर-पकड़ में जुटी है। बिनोद बिहारी चौक के पास नारायण मंडल की मीट दुकान है। नारायण मंडल ने पुलिस को बताया कि शनिवार की रात करीब दो बजे हथियारबंद अपराधियों ने दुकान पर धावा बोल दिया।

लुटेरों ने सो रहे कर्मचारियों को जगाया और धारदार चापड़ दिखाकर उन्हें चुप रहने को कहा। अपराधियों ने कर्मचारियों को धमकी दी कि यदि वे शोर मचाएंगे तो उन्हें जान से मार देगा। इसके बाद अपराधियों ने गोदाम का ताला खोला और वहां रखे 17 खस्सियों को बाहर निकाला। चोरों ने सभी खस्सियों को अपने साथ लाए एक वाहन में लादा और मौके से फरार हो गए।नारायण मंडल ने बताया कि चोरी गए खस्सियों की कुल कीमत करीब 2.50 लाख रुपए है। सूचना मिलते ही पुलिस की पेट्रोलिंग टीम फौरन मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में ले लिया है। फुटेज में चोरों की गतिविधियां नजर आ रही हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों के हुलिए और वारदात में इस्तेमाल किए गए वाहन की पहचान की जा रही है। इस घटना के बाद से इलाके के व्यवसायियों में असुरक्षा का माहौल है।

स्पीड पोस्ट पार्सल भेजना हुआ महंगा, वजन-दूरी पर रेट तय

धनबाद : डाक विभाग ने स्पीड पोस्ट पार्सल की दरों में संशोधन किया है। नए टैरिफ में पार्सल का शुल्क वजन और गंतव्य के आधार पर निर्धारित किया गया है। संशोधित दरों के अनुसार 500 ग्राम तक के पार्सल के लिए स्थानीय स्तर पर 28 रुपये, राज्य के भीतर 76 रुपये, जोन और मेट्रो शहरों के लिए 82 रुपये और दूसरे राज्यों के लिए 90 रुपये शुल्क देना होगा। इन दरों पर जीएसटी अलग से देय होगा। 501 से 1000 ग्राम तक के पार्सल के लिए स्थानीय शुल्क 48 रुपये, राज्य के भीतर 101 रुपये, जोन और मेट्रो क्षेत्र में 137 रुपये और दूसरे राज्यों के लिए 143 रुपये निर्धारित किया गया है। वहीं, 1001 से 1500 ग्राम तक के पार्सल पर क्रमशः 60, 130, 182 और 228 रुपये शुल्क लगेगा। 1501 से 2000 ग्राम तक के पार्सल के लिए 87, 178, 254 और 319 रुपये देने होंगे.

2001 से 3000 ग्राम तक के पार्सल पर स्थानीय शुल्क 116 रुपये, राज्य के भीतर 243 रुपये, जोन और मेट्रो क्षेत्र में 355 रुपये और दूसरे राज्यों के लिए 450 रुपये होगा। 3001 से 4000 ग्राम तक के लिए यह शुल्क क्रमशः 145, 298, 441 और 560 रुपये है। 4001 से 5000 ग्राम तक के पार्सल पर 174, 361, 539 और 686 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है.

पांच किलो से अधिक वजन होने पर प्रत्येक अतिरिक्त एक किलोग्राम के लिए स्थानीय क्षेत्र में 35 रुपये, राज्य के भीतर 60 रुपये, जोन और मेट्रो क्षेत्र में 95 रुपये और दूसरे राज्यों के लिए 120 रुपये अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा।

दुर्गा पूजा केंद्रीय कमेटी की बैठक में तैयारियों पर मंथन

सुरक्षा, सफाई, यातायात व विद्युत व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्णय

ज्योति पाठक

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर के शीतला मंदिर दुर्गा पूजा समिति के प्रांगण में रविवार की शाम को दुर्गा पूजा केंद्रीय कमेटी की बैठक अध्यक्ष सह विधायक सुखराम उरांव की अध्यक्षता में हुई। इसमें आगामी दुर्गा पूजा को सुचारु, भव्य और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर विभिन्न तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। पूजा पंडालों के निर्माण, सुरक्षा, साफ-सफाई, यातायात नियंत्रण, विद्युत सज्जा, सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों तथा समिति सदस्यों की जिम्मेदारियों पर मंथन किया गया।

केंद्रीय कमेटी ने सभी स्थानीय पूजा समितियों से अपने-अपने पंडाल और क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं को लिखित रुप में उपलब्ध कराने को कहा ताकि समय रहते उनका समाधान कराया जा सके। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक श्री उरांव ने कहा कि दुर्गा पूजा का सफल आयोजन किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है ये सभी की जिम्मेदारी है और जिन्हें नहीं मिली है उन सभी को भी एकजुट होकर शांति, सद्भाव और सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूजा संपन्न कराने में सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि समितियों की लिखित

समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाएगा।

बैठक में निर्णय लिया गया कि पूजा और विसर्जन जुलूस के दौरान सुरक्षा व निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। विसर्जन मार्गों पर सीसीटीवी से निगरानी होगी। प्रमुख स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाकर कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण किया जाएगा। भीड़ प्रबंधन और त्वरित संपर्क के लिए प्रमुख पदाधिकारियों को आधुनिक संचार उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित करने के लिए सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

श्रद्धालुओं की सुविधा और कार्यक्रमों के संचालन के लिए पवन चौक, भगत सिंह चौक, महात्मा गांधी विद्यालय और थाना नदी घाट पर स्टेज बनाए जाएंगे। पवन चौक से जग्गू दीवान क्षेत्र तक समेत अन्य चिन्हित स्थानों पर विद्युत सज्जा और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। केंद्रीय कमेटी ने सामाजिक और धार्मिक संगठनों से विसर्जन मार्ग को छोड़कर सेवा शिविर लगाने की अपील की, ताकि यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि दुर्गा पूजा के बाद होने वाले छठ पर्व को इस बार विशेष आकर्षक बनाया जाएगा। गंगा घाट की तर्ज पर भव्य महाआरती आयोजित करने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में मुख्य संरक्षक अशोक षाड़ंगी, नप उपाध्यक्ष विजय साव, वार्ड पार्षद सुलेखा दत्ता, राजेश्वरी मुखी, सुनीति बाग, मंजू मिंज, विनय बर्मन, गौरम रवानी, विनोद साव, नागेश्वर प्रधान, शिवपूजन सिंह, राजू प्रसाद कसेरा, संजय पासवान, सुरेश साव, कुमार विवेक, गोल्डी सिंह, राजेश शुक्ला, डिक्की मंडल, निक्कू सिंह, शेष नारायण लाल, दुर्गा साव, सरोज कसेरा, बापी दत्ता, दीपक सिंह, दया शंकर गुप्ता, राजेश गुप्ता, वेद प्रकाश, पवन संथलिया, परमेंद्र चौहान, प्रेम सिंह, प्रदीप मुखर्जी, अशोक दास, कल्लू विश्वकर्मा, धीरज साव, बुल्टन रवानी, अमित मिश्रा, सागर साव, कबीर पाण्डेय, सोनू विश्वास सहित कई लोग मौजूद थे।

माँ पौड़ी मंदिर में हर्षोल्लास और विधि विधान के साथ जनताल पूजा हुआ संपन्न

ज्योति पाठक

जनताल पूजा के अवसर पर आज माँ पौड़ी मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के बाद भक्तजनों और श्रद्धालुओं के बीच माँ का भोग वितरित किया गया। मंदिर के पुजारी सुजीत कुमार ने प्रातः काल से ही माँ की विशेष पूजा अर्चना की तत्पश्चात दोपहर को मंदिर के पुजारी सुजीत कुमार भक्तो के साथ घट लेकर मंदिर पहुंचे और माँ को खिचड़ी और सब्जी का भोग लगाया उसके बाद मंदिर प्रांगण में उपस्थित भक्तजनों और श्रद्धालुओं के बीच व्यापक रूप से खिचड़ी और सब्जी भोग का वितरण किया गया। गौरतलब हो कि प्रति वर्ष माँ पौड़ी मंदिर में जनताल पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है और ढोल और बाजे के साथ माँ पौड़ी की विशेष पूजा अर्चना की जाती है तथा पूजा क्षेत्र पूजा मयी हो जाता है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

संवाददाता

रांची : श्री गौरा आयुर्वेद औषधालय, निर्मला चर्च के सामने, लोवाडीह, पुरुलिया रोड में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन हुआ, जिसमें शुगर , बीपी व अन्य जांच के साथ-साथ चिकित्सक परामर्श भी निःशुल्क किया गया। शिविर का उद्घाटन मेयर रोशनी खलखो एवं स्थानीय पार्षद कुलभूषण डुंगडुंग ने किया ।इस अवसर पर उन्होंने खुद भी अपना स्वास्थ्य जांच करवाया एवं उन्होंने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की । उन्होंने कहा कि इस प्रकार की सेवा प्रखंड स्तर पर भी की जानी चाहिए। मुख्य अतिथि का स्वागत रत्नेश अग्रवाल ने गुलदस्ता दे कर किया। उन्होंने कहा श्री गौरा आयुर्वेद औषधालय आयुर्वेद की सेवा में निरंतर लगा रहेगा एवं इस प्रकार की शिविर का आयोजन होता रहेगा। शिविर में डॉ बीके अग्रवाल, वैद्य पीके झा, डॉ एम आरिफ, डॉ एके आर्या एवं डॉ शशि कुमार ने अपनी सेवा दी। एमिल, डाबर, न्यूट्रिनीड्स, ऊंझा एवं बायोआयुवेर्दा के द्वारा निःशुल्क दवा वितरित किया गया। शिविर को सफल बनाने में सुरजीत बरियार, आरके श्रीवास्तव, एसके पांडे, अमित कुमार, एके वर्मा, चन्द्रशेखर ,महेश अग्रवाल, श्रेष्ठ, प्रशांत मिश्रा,ओमप्रकाश, गोपाल लोहिया,उमा देवी, मंजू देवी, किरन अग्रवाल, पवन अग्रवाल, उपेंद्र सिंह सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस शिविर में 230 लोगों ने निःशुल्क सेवा का लाभ लिया।

मुख्यमंत्री ने समृद्ध बिहार के निर्माण में सभी की सहभागिता का किया आह्वान

शिक्षा, आधारभूत संरचना और सांस्कृतिक विरासत के विकास के लिये राज्य सरकार कर रही है निरंतर कार्य।

एकजुट होकर गौरवशाली बिहार के निर्माण का सभी संकल्प लें।

पटना : मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित बापू सभागार में आयोजित विकसित बिहारः नींव से निर्माण तक महामंथन सह लव-कुश प्रतिभा सम्मान समारोह का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। प्रोग्रेसिव बुद्धिजीवी एसोसिएशन, बिहार द्वारा आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि लव-कुश समाज की एकता की नींव वर्ष 1994 में रखी गई थी और यह एकता आज भी कायम है। उन्होंने कहा कि लव-कुश समाज किसी के खिलाफ नहीं है, बल्कि न्याय के साथ आगे बढ़ते हुए बिहार की समृद्धि और देश के विकास में अपनी भूमिका निभाना चाहता है। वर्ष 1992-93 में कुर्मी चेतना रैली और कुशवाहा सम्मेलन के बाद 1994 में दोनों समाजों ने मिलकर लव-कुश सम्मेलन का आयोजन किया था। इसकी शुरूआत करनेवाले सभी नेताओं को मैं बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि इसी सामाजिक एकता ने आगे चलकर राजनीतिक स्वरूप ग्रहण किया और इससे जुड़ी राजनीतिक पार्टियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज विकसित भारत और समृद्ध बिहार की कल्पना को साकार करने का समय है। प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने विकसित भारत और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी ने समृद्ध बिहार की कल्पना की है। इसे साकार करने के लिये हमलोग काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का इतिहास गौरवशाली रहा है। चंद्रगुप्त मौर्य और सम्राट अशोक जैसे महान शासकों ने इसी धरती से भारत और दुनिया को दिशा दी। बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने और मजबूती से प्रस्तुत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 के बाद बिहार की अर्थव्यवस्था और आधारभूत संरचना में बड़ा बदलाव आया है। बिहार और झारखंड के अलग होने के समय बिहार की अर्थव्यवस्था काफी हद तक झारखंड से प्राप्त राजस्व पर निर्भर थी, लेकिन आज बिहार का बजट झारखंड से काफी आगे निकल चुका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में जहां झारखंड ने 1 लाख 39 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश किया वहीं बिहार ने 3 लाख 17 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में 15 जुलाई को एक साथ 211 डिग्री कॉलेजों में पढ़ाई शुरू कराई गई। 700 मॉडल स्कूलों (सरस्वती विद्या निकेतन) की स्थापना की गई है, जिनमें 3.5 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'विद्यार्थी साथी' ऐप के माध्यम से 75 हजार शिक्षकों को जोड़ा गया है और रात में भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। अभी इस ऐप के माध्यम से रात में लगभग 1 लाख 42 हजार बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बोधगया में भव्य कॉरिडोर विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। वाल्मीकि नगर में लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत से भव्य लव-कुश पार्क के निर्माण की पहल की गई है। साथ ही, सीतामढ़ी में भव्य सीता मंदिर के निर्माण का कार्य भी आगे बढ़ाया जा रहा है। लगभग 1000 करोड़ रुपए की लागत से इसका शिलान्यास किया गया है। इसके लिए मैं केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी को धन्यवाद देता हूँ। वर्ष 2028 के 31 दिसंबर से पहले भव्य सीता मंदिर को स्थापित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति विरासत को दुनिया के सामने लाने के साथ-साथ राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सभी लोग मिलकर आगे बढ़ते हैं तो बड़ी उपलब्धियां हासिल होती हैं। उन्होंने पांच उंगलियों का उदाहरण देते हुए कहा कि अलग-अलग होने पर उनकी ताकत सीमित होती है, लेकिन मुट्ठी बनने पर यही एकता की ताकत बन जाती है। उन्होंने कहा कि बिहार की समृद्धि और विकास के लिए सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने का काम जारी रहेगा। विकसित और गौरवशाली बिहार के निर्माण के लिए हम सभी मिलकर काम करें। आज के इस आयोजन के लिये मैं प्रोग्रेसिव बुद्धिजीवी एसोसिएशन को धन्यवाद देता हूँ।

वित्तरहित शिक्षकों की समस्याओं का समाधान किया जायेगा : मुख्यमंत्री

संवाददाता

पटना : 15 जुलाई को एक साथ 211 डिग्री कॉलेजों में पढ़ाई शुरू कराई गई। एक साथ 2500 असिस्टेंट प्रोफेसर की बहाली की गयी। हमलोगों का उद्देश्य है कि बिहार के बच्चे बिहार में ही पढ़ें, हमारे बच्चों के लिये हमेशा बेहतर शिक्षक उपलब्ध रहें।

पटना, 20 सितम्बर 2026 मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी आज श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में वित्तरहित शिक्षकों के अभिनंदन समारोह कार्यक्रम में शामिल हुये। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करने के पश्चात मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तरहित शिक्षकों द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में आप सभी शिक्षकों का अभिनंदन करता हूँ। आप शिक्षक निमार्ता होते हैं, छात्रों के भाग्य विधाता होते हैं। आप सभी शिक्षकों का हमने शुरू से सम्मान किया है और आगे भी आपका सम्मान जारी रहेगा। युवा पीढ़ियों को आप शिक्षित कर रहे हैं, उन्हें गढ़ रहे हैं, वे सभी बिहार को समृद्ध बनाने में तथा इसके गौरवशाली अतीत को वापस लाने में बड़ी भूमिका निभायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तरहित शिक्षकों एवं उनके प्रतिनिधियों से बात कर समस्याओं का समाधान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आप सभी से मिलूंगा, बात करूंगा, आपके प्रतिनिधियों से भी बात करूंगा। हमने पदाधिकारियों को भी इस संबंध में निर्देशित किया है। आपकी समस्याओं के समाधान के लिये कमिटी गठित की गयी है। आप सभी का सम्मान बना रहेगा, सरकार इस दिशा में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विकसित भारत और समृद्ध बिहार की कल्पना को साकार करने का समय है। प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने विकसित भारत और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी ने समृद्ध बिहार की कल्पना की है। इसे साकार करने के लिये हम सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि बिहार का इतिहास गौरवशाली रहा है। इसी मगध की धरती से पूरा शासन व्यवस्था का संचालन हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 के

बाद बिहार की अर्थव्यवस्था और आधारभूत संरचना में बड़ा बदलाव आया है। बिहार और झारखंड के अलग होने के समय बिहार की अर्थव्यवस्था काफी हद तक झारखंड से प्राप्त राजस्व पर निर्भर थी, लेकिन आज बिहार का बजट झारखंड से काफी आगे निकल चुका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में जहां झारखंड ने 1 लाख 39 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश किया वहीं बिहार ने 3 लाख 17 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने बिहार की शिक्षा व्यवस्था पर शुरू से ध्यान दिया है। बच्चों को बेहतर शिक्षा हमलोगों की प्राथमिकता में रही है। स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के माध्यम से बच्चों को उच्च शिक्षा के लिये सरकार द्वारा राशि उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि नयी सरकार बनने के बाद बिहार में 15 जुलाई को एक साथ 211 डिग्री कॉलेजों में पढ़ाई शुरू कराई गई। एक साथ 2500 असिस्टेंट प्रोफेसर की बहाली की गयी। हम लोगों का उद्देश्य है कि बिहार के बच्चे बिहार में ही पढ़ें, हमारे बच्चों के लिये हमेशा बेहतर शिक्षक उपलब्ध रहें। 700 मॉडल स्कूलों (सरस्वती विद्या निकेतन) की स्थापना की गई है, जिनमें 3.5 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'विद्यार्थी साथी' ऐप के माध्यम से 75 हजार शिक्षकों को जोड़ा गया है और रात में भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। अभी इस ऐप के माध्यम से रात में लगभग 1 लाख 42 हजार बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले 5 वर्षों में एक करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाना है ताकि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर हो सके। महिलाओं के लिये महिला यूनिवर्सिटी बनाया जायेगा, जिसमें नीचे के कर्मचारी से लेकर वी०सी० तक महिलायें होंगी। नालंदा विश्वविद्यालय को प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में पुनः स्थापित किया गया। विक्रमशीला विश्वविद्यालय को स्थापित करने के लिये प्रधानमंत्री जी ने निर्देशित किया था, हमने इसके लिये 220 एकड़ जमीन आवंटित कर दिया है। हमलोग जनता के हित के लिये लगातार काम करते रहते हैं, उनकी समस्याओं का समाधान करना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने के लिये लगातार काम करते रहेंगे। स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी के शिक्षकों के साथ-साथ आप वित्तरहित शिक्षकों का सम्मान भी बना रहेगा।